रांची, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025
संवत 2082, पौष कृष्णपक्ष 7 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 92 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

4 ▶▶ लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हों सकारात्मक प्रयास
वी शांताराम में तमन्ना भाटिया की पहली झलक ने बढाई उत्सुकता ◀◀ 6

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले में कोडरमा का बेटा शहीद

- सीआरपीएफ जवान सुजीत सिंह जम्मू-कश्मीर में शहीद, छह माह पहले हुई थी शादी, फैला मातम
- आज शाम तक गांव पहुंचेगा पार्थिव शरीर

संवाददाता

रांची/कोडरमा: कोडरमा जिले के मरकच्चो प्रखंड के देवीपुर निवासी सुजीत कुमार सिंह (27 वर्ष) जम्मू- कश्मीर में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए। उनके शहीद होने की पुष्टि बड़े भाई और सीआरपीएफ जवान विकास कुमार ने की है। जानकारी के अनुसार, सुजीत जम्म- कश्मीर में पोस्टेड थे। बीती रात परिजनों को फोन पर अचानक सूचना मिली कि सुजीत कुमार सिंह शहीद हो गए हैं। परिजनों के अनुसार रात 9:55 बजे उनकी अंतिम बार घर से बात हुई थी, जबकि 11 बजे शहादत की खबर मिली। बताया जा रहा है कि सुजीत की लगभग छह माह पहले ही शादी हुई थी और उनकी पत्नी फिलहाल मायके में हैं। शहादत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में कोहराम मचा है और सांत्वना देने वालों की भीड़ लगी हुई है। शहीद जवान का पार्थिव शरीर देर रात तक कोडरमा पहुंचने की संभावना है। पार्थिव शरीर आने के बाद पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

कारोबारी विनय सिंह की पत्नी की तलाश में एसीबी का दिल्ली में छापा

रांचीः जमीन घोटाले के आरोपी नेक्सजेन के मालिक विनय सिंह की पत्नी स्निग्धा सिंह की तलाश में झारखण्ड एसीबी की टीम ने दिल्ली में छापेमारी की। यह छापेमारी भारत सरकार के एक संयुक्त सचिव स्तर के वसंत विहार स्थित आवास में की गई। छापेमारी सुबह के 4.00 बजे की गई।हालांकि स्निग्धा सिंह एसीबी के हाथ नहीं लगी। वह छापेमारी से कुछ देर पहले ही निकल गई। एसीबी के अधिकारी स्निग्धा सिंह के पुत्र सनत कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहे हैं।

गोवा क्लब अग्निकांड : थाईलैंड में हिरासत में लिए गए लूथरा ब्रदर्स, जल्द भारत किया जाएगा डिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली : गोवा क्लब अग्निकांड के आरोपी लूथरा ब्रदर्स को हिरासत में ले लिया गया है। इन्हें थाईलैंड से भारत डिपोर्ट किया जाएगा और इस संबंध में प्रक्रिया पूरी की जा रही है। गोवा के नाइट क्लब में लगी आग में 25 लोगों की मौत हुई थी और इसके बाद से ही दोनों भाई गौरव और सौरभ लूथरा थाईलैंड फरार हो गए थे। बताया जा रहा है कि इन्हें थाईलैंड में हिरासत में ले लिया गया है। जानकारी के मुताबिक उन्हें भारत लाने की तैयारी तेज कर दी गई है।

बता दें इससे पहले सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दोनों भाइयों के पासपोर्ट रद्द कर दिए थे। गोवा सरकार ने दोनों भाइयों का पासपोर्ट रद्द करने का अनुरोध किया था। दोनों भाई 7 दिसंबर की सुबह देश छोड़कर थाईलैंड के फुकेट चले गए। उनके खिलाफ इंटरपोल ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था।

अधिकारियों के अनुसार, गौरव और सौरभ ने 7 दिसंबर की सुबह 1:17 बजे मेकमाईट्रिप पर टिकट बुक किए थे। उस समय दमकलकर्मी और पुलिस अरपोरा के बिर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में आग बुझाने और फंसे लोगों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया, गोवा पुलिस और गोवा अग्निशमन सेवा आग बुझाने और अंदर फंसे लोगों को बचाने के लिए जूझ रही थी, उसी दौरान लूथरा बंधुओं ने देश से भागने की तैयारी शुरू कर दी थी।

जियोर्जिया मेलोनी ने पीएम मोदी को भेजा इटली आने का न्योता, प्रधानमंत्री ने किया स्वीकार

एजेंसी

रोमः इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इटली आने का न्योता दिया है, जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया है। दरअसल, इटली के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री एंटोनियो तेजानी भारत की यात्रा पर हैं। तीन दिवसीय इस यात्रा के दौरान उन्होंने बुधवार रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान तजानी ने प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की ओर से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अगले साल 2026 में इटली आने का निमंत्रण दिया।

तजानी ने बताया कि नरेंद्र मोदी ने इसके लिए हां कर दी है, लेकिन अभी वक्त नहीं बताया है कि वह कब इटली आएंगे। विदेश मंत्री तजानी ने कहा कि भारत और इटली की दोस्ती ऊंचाइयां छू रही है। दोनों देश अच्छे साझेदार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान दोनों देशों में संस्कृति, व्यापार, तकनीक, उद्योग निगम सहित कई मसलों पर चर्चा हुई है। उधर, इटली के अखबार कोरिएरे डेला सेरा ने अपनी रिपोर्ट रिपोर्ट में ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी के सूत्रों के हवाले से कहा है कि सुश्री मेलोनी ने श्री जेलेंस्की पर अमेरिकी शांति योजना के संबंध में आग्रह किया। इस दौरान श्री जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को नरम रुख अपनाने के लिए उनसे (सुश्री मेलोनी) से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया।

हनुमानगढ़ में एथेनॉल फैक्ट्री के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

14 गाड़ियां जलाई-इंटरनेट बंद, विधायक का सिर फोड़ा

एजंसी

हनुमानगढ़ : राजस्थान के हनुमानगढ़ ?जिले में एथेनॉल फैक्ट्री को लेकर चल रहे विरोध-प्रदर्शन में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। आज सुबह से प्रदर्शन स्थल के पास के गुरुद्वारे में किसानों की भीड़ लगी हुई है। ऐसे में तनाव बढ़ने की आशंका है। प्रशासन की ओर से जिले के टिब्बी क्षेत्र में आज भी इंटरनेट बंद है। वहीं, पुलिस प्रशासन हर स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

इससे पहले बुधवार को इथेनॉल प्लांट के विरोध के चलते टिब्बी क्षेत्र में हालात बेकाबू हो गए। राठीखेड़ा गांव के पास चक पांच आरके में निर्माणाधीन इथेनॉल फैक्ट्री के खिलाफ पिछले 15 माह से चल रहा आंदोलन महापंचायत के बाद अचानक हिंसक हो उठा था। हजारों की भीड़ बैरिकेडिंग तोडकर फैक्ट्री परिसर में घुस गई और दीवारें गिरा दीं। कई जगह तोडफोड़ के बाद करीब 14 वाहनों में आग लगा दी। भीड़ को रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और हल्का बल प्रयोग किया, जवाब में प्रदर्शनकारियों ने ईंट-पत्थर फेंके। झड़पों में करीब तीन दर्जन लोग घायल हुए हैं, जिनमें दो दर्जन पुलिसकर्मी और लगभग 12 आंदोलनकारी शामिल हैं। पुलिसकर्मियों में तीन को गंभीर हालत में रेफर किया गया। इस दौरान भीड़ दबाव में आने के बजाय और उग्र हो गई। विधायक अभिमन्यु पूनिया भी सिर में चोट लगने से घायल हुए, जिन्हें हनुमानगढ़ के राजकीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। देर शाम तक बड़ी संख्या में आंदोलनकारी अंदर-बाहर डटे रहे और स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। एसडीएम कार्यालय के बाहर बुधवार सुबह हुई महापंचायत में किसान संगठनों, गांवों की महिलाओं, युवाओं और किसान यूनियनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। किसान नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि निर्माण कार्य तुरंत रोका जाए और किसानों से सहमति होने तक प्लांट आगे न बढ़ाया जाए। किसानों ने चेतावनी दी कि दोपहर दो बजे तक जवाब न मिलने पर वे फैक्ट्री की ओर मार्च करेंगे। प्रशासन की ओर से कोई ठोस लिखित आश्वासन नहीं मिलने पर भीड़ अचानक आक्रोशित हो उठी और बैरिकेडिंग तोड़ते हुए फैक्ट्री परिसर में जा घुसी। आगजनी के बीच प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। अधिकारियों ने बताया कि संघर्ष में दोनों ओर से कई लोग घायल हुए हैं। फैक्ट्री परिसर में प्रवेश के बाद भीड़ ने दीवारें ट्रैक्टर से गिरा दीं। कार्यालयनुमा ढांचे और मशीनरी के ढेर पर आग लगा दी। बाहर खड़े वाहनों में भी तोडफोड़ की गई। सुरक्षा घेरे में मौजूद पुलिस पर प्रदर्शनकारियों ने जमकर पथराव किया। पुलिस ने चेतावनी के बाद आंसू गैस के गोले दागे, लेकिन हजारों की संख्या में मौजूद आंदोलनकारी पीछे नहीं हटे।

तंत्र-मंत्र की गतिविधियों के दौरान तीन लोगों की गला घोटकर हत्या

नई दिल्ली : छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बीती रात स्क्रैप व्यापारी अशरफ मेमन सहित तीन लोगों की गला घोटकर हत्या कर दी गई। मृतकों में अशरफ मेमन के अलावा एक स्थानीय युवक और बिलासपुर का एक युवक शामिल है, जिसकी पहचान अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस ने इस मामले में तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है। यह वारदात कोरबा शहर के पास उरगा थाना क्षेत्र के कुदरीपारा स्थित अशरफ के स्क्रैप यार्ड में हुई। बताया जा रहा है कि रात के समय वहां 8-10 लोग एकत्रित हुए थे। इसी दौरान कथित तौर पर तंत्र-मंत्र की गतिविधि चल रही थी, जिसके दौरान आपसी विवाद बढ़ा और तीन लोगों की हत्या कर दी गई। घटना के वक्त अशरफ का पुत्र भी यार्ड के बाहर मौजूद था।
हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अस्पताल के मचुर्री में भेज दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार अशरफ मेमन लंबे समय से अवैध कबाड़ कारोबार से जुड़ा हुआ था। उस पर हत्या के प्रयास, चोरी, मारपीट सहित कई गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज रहे हैं। हाल के दिनों में वह मुख्य रूप से राखड़ परिवहन के कारोबार से जुड़ा हुआ था।

आतंकी फंडिंग मामले में ईडी और महाराष्ट्र एटीएस की कार्रवाई

- ठाणे में संदिग्धों के घरों पर छापेमारी जारी

एजेंसी

मुंबई: ईडी और महाराष्ट्र आतंकवाद-रोधी दस्ता ने संदिग्ध आतंकवादी फंडिंग के मामले में गुरुवार को ठाणे जिले के पडघा में संयुक्त छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भिवंडी के पडघा में गुरुवार की सुबह से छापेमारी जारी है। यह कार्रवाई पहले के अभियानों के आधार पर की जा रही है। पहले पडघा के बोरिवली गांव में छापेमारी गई थी। कई संदिग्धों के घरों की तलाशी ली जा रही है और ईडी संदिग्ध पैसे के लेन-देन की जांच कर रही है। इसमें एटीसी केंद्रीय जांच एजेंसी का सहयोग कर रही है।

इस साल जून में, एटीएस ने ठाणे ग्रामीण पुलिस के साथ मिलकर पादघा के बोरिवली में 22 लोगों के घरों पर बड़ी छापेमारी की थी। इनमें स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के पूर्व पदाधिकारी साकिब नचन और अन्य संदिग्ध सदस्य तथा प्रतिबंधित संगठन के समर्थक शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि एटीएस ने उस समय 19 मोबाइल फोन और कट्टरपंथी गतिविधियों तथा दस्तावेजों से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री जब्त की थी। दो साल पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकवादियों से जुड़ी गतिविधियों के मामले भी पडघा में छापेमारी की थी। साकिब नचन को एनआईए ने पडघा से गिरफ्तार किया था। इस साल जून में दिल्ली के एक अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी।

बेगुनाह नागरिकों को मारते हो... यूएन में तालिबान के समर्थन में खुलकर आया भारत

पाकिस्तान को बुरी तरह धो डाला

एजेंसी

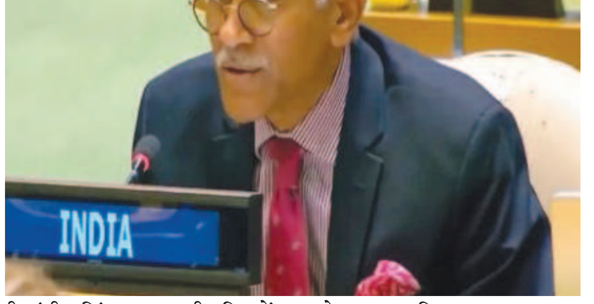

नई दिल्ली: भारत ने अफगानिस्तान में किए गए हवाई हमलों की पाकिस्तान द्वारा कड़ी निंदा की है और इन हमलों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। भारतीय राजदूत ने मानवीय प्रभावों का जिक्र करते हुए पहले से ही गंभीर संकटों से जूझ रहे इस क्षेत्र में नागरिकों की पूर्ण सुरक्षा का आग्रह किया। राजदूत ने कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का पूर्ण सम्मान करने और विशेष रूप से निर्दोष नागरिकों की सुरक्षा पर ध्यान देने की अपील का समर्थन करते हैं। भारत ने पाकिस्तान द्वारा 'व्यापार और पारगमन आतंकवाद' की प्रथा पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की, जिसमें अफगानिस्तान के लिए महत्वपूर्ण पहुंच मार्गों को बंद करना शामिल है। एक भू-आबद्ध देश होने के नाते, अफगानिस्तान आवश्यक आपूर्ति के लिए सीमा पार आवागमन पर बहुत अधिक निर्भर है। भारत ने कहा कि इस तरह के प्रतिबंध विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मानदंडों का उल्लंघन करते हैं और पुनर्निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे एक कमजोर राष्ट्र के खिलाफ खुली धमकियां और युद्ध के कृत्य के समान हैं। अफगानिस्तान के लिए समर्थन की पुष्टिः भारत ने अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए अपने मजबूत समर्थन की पुष्टि की। इसने तालिबान के साथ व्यावहारिक बातचीत का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय नीति को केवल दंडात्मक उपायों पर निर्भर रहने के बजाय सकारात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत ने चेतावनी दी कि एकतरफा उपायों के जारी रहने से पिछले साढ़े चार वर्षों से चली आ रही पहले जैसी स्थिति बनी रहने का खतरा है। इसने संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक समुदाय से अफगान जनता को स्थायी लाभ पहुंचाने वाले सूक्ष्म नीतिगत उपायों को अपनाने का आह्वान किया। भारत ने आईएसआईएल, अल-कायदा, लश्कर-ए-तैबा, जैश-ए-मोहम्मद और उनके सहयोगी संगठनों, जिनमें प्रतिरोध मोर्चा भी शामिल है, जैसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी समूहों से उत्पन्न निरंतर खतरे को भी उजागर किया। इसने इन समूहों को सीमा पार आतंकवाद में शामिल होने या परिचालन सहायता प्राप्त करने से रोकने के लिए समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का आग्रह किया।

ट्रेन पलटने की बड़ी साजिश नाकाम

ट्रैक पर रखा था 10 फीट लंबा लोहे का पाइप लोको पायलट की सूझ-बूझ से टला हादसा

एजेंसी

बागपतः उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एक बार फिर असामाजिक तत्वों ने बड़ी रेल दुर्घटना को अंजाम देने की खौफनाक साजिश रची, जिसे लोको पायलट की सतर्कता और सूझबूझ ने नाकाम कर दिया। बड़ौत क्षेत्र में दिल्ली-शामली-सहारनपुर रेल मार्ग पर ग्राम बावली और कासिमपुर खेड़ी के बीच रेलवे ट्रैक पर उपद्रवियों ने जानबूझकर एक भारी-भरकम लोहे का पाइप रख दिया था। गनीमत रही कि मालगाड़ी के लोको पायलट ने समय रहते खतरे को भांप लिया और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर एक संभावित विनाशकारी हादसे को टाल दिया। इस घटना के बाद रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। घटना बुधवार देर शाम की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, शरारती तत्वों ने करीब 10 फीट लंबा और 3 इंच मोटा लोहे का पाइप पटरी के बीचों-बीच फंसा दिया था। शाम करीब 7:47 बजे जब एक मालगाड़ी इस ट्रैक से गुजर रही थी, तभी लोको पायलट सुभाष चंद्रा की नजर ट्रैक पर पड़ी इस संदिग्ध वस्तु पर गई। मामला संदिग्ध लगते ही उन्होंने तत्काल प्रभाव से इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। हालांकि, ट्रेन के रुकने से पहले इंजन उस लोहे के पाइप से टकराया, जिससे तेज आवाज हुई और मौके पर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन पायलट की तत्परता से ट्रेन पटरी से उतरने से बच गई।

हादसा टलने के बाद लोको पायलट ने नीचे उतरकर देखा और ट्रैक पर फंसे पाइप को हटाकर अपने केबिन में सुरक्षित रख लिया। करीब आधे घंटे तक ट्रेन वहां खड़ी रही और रात 8:16 बजे घटनास्थल से आगे के लिए रवाना हुई। कासिमपुर खेड़ी स्टेशन पहुंचने पर पायलट ने स्टेशन मास्टर को इस जानलेवा साजिश की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू की। रेलवे अधिकारियों ने माना कि यह किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा गंभीर रेल दुर्घटना कराने और व्यापक स्तर पर जान-माल का नुकसान पहुंचाने का षड्यंत्र था।

इस मामले में कासिमपुर खेड़ी के स्टेशन मास्टर शशिभूषण की तहरीर पर बड़ौत कोतवाली में रेलवे एक्ट की धाराओं के तहत

न्यूज IN ब्रीफ

टेंपू लूटकांड का 72 घंटे में खुलासा चार अपराधी गिरफ्तार

चतराः चतरा पुलिस ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता का परिचय देते हुए एक बड़े लूटकांड का मात्र 72 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन किया है। बीते 3 दिसंबर देर रात संघरी घाटी में हुए टेम्पू लूटपाट मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। अपराधियों के पास से लूटा गया टेम्पू, दो मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। यह मामला तब सामने आया जब नितेश कुमार यादव (पिता हुलास यादव) ने सदर थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, दिनांक 03.12.2025 की रात्रि में जब वे प्रतापपुर से चतरा आ रहे थे, तभी संघरी घाटी के पास मोटरसाइकिल सवार 03-04 अपराधकर्मियों ने उनका पियागो टेम्पू वाहन संख्या-जेएच 02एसी-9878और दो मोबाइल फोन लूट लिए थे। इस संदर्भ में सदर थाना कांड संख्या-389/25 दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि लूटपाट करने वाले अपराधी टेम्पू को बेचने या छुपाने की नीयत से हंटरगंज-जोरी होते हुए चिलाई की तरफ आ रहे हैं। सूचना मिलते ही, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। इस टीम में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी विपिन कुमार और अनुसंधानकर्ता पु०अ०नि० राहुल सिंह भी शामिल थे। त्वरित कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीम ने ग्राम भुइयाँडीह पहुंचकर घात लगाकर इंतजार किया। सामने से आ रहे लूट के टेम्पू, अपराधियों और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को टीम ने घेरकर पकड़ लिया। छापेमारी में लूट की घटना में शामिल चार अपराधियों को पकड़ा गया। पुलिस ने उनके पास से लूटा हुआ पियागो टेम्पो,लूटा हुआ जीओ लाइफ का की पैड मोबाइल, लूटा हुआ रेड मी का स्मार्ट मोबाइल और घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें (होंडा साइन और होंडा लीवो) बरामद की। गिरफ्तार किए गए अपराधियों में एक अपराधी बिरजू कुमार बिहार के गया जिले के बाराचट्टी थाना क्षेत्र का निवासी है, जो इस लूटकांड में अंतर्राज्यीय संलिप्तता को दशार्ता है। अन्य तीन अपराधी विशाल पाण्डेय, कमलेश कुमार और चंदन कुमार चतरा जिले के ही सदर/राजपुर थाना क्षेत्र के निवासी हैं। सभी गिरफ्तार अपराधियों से कड़ी पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। चतरा पुलिस की यह सफलता अपराधियों के मनोबल को तोड़ने में एक बड़ा कदम है।

औरु महुआटांड टोला में रास्ते को लेकर उपजा विवाद सुलझा

चतरा : हंटरगंज थाना क्षेत्र के औरु गांव के महुआटाड टोला में सार्वजनिक रास्ते को लेकर विवाद था। इन स्थितियों के चलते यहां तनाव व्याप्त हो गया था, कुछ ग्रामीणों ने दूसरे पक्ष रामजतन वर्मा के खिलाफ हंटरगंज थाने में और अंचल कार्यालय में सार्वजनिक रास्ते को काटने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। हालांकि इस मामले में बुधवार को दूसरे पक्ष रामजतन वर्मा ने बताया कि जो रास्ते का विवाद हो रहा है वो रास्ता सार्वजनिक नहीं है। बल्कि मैं अपने निजी जमीन ट्रैक्टर जाने का रास्ता बनवाया था, जिसे लोग सार्वजनिक समझने लगे जबकि उस रास्ते में कोई घर भी नहीं है ना ही कोई सार्वजनिक स्थल पर जाने का रास्ता है। वही कुछ ग्रामीणों ने बताया कि यह रास्ता सार्वजनिक है।दोनों पक्षों ने एक दूसरे से वार्ता की। जिसके बाद इसका हल निकाल लिया गया। औरु पंचायत मुखिया प्रतिनिधि प्रभुदयाल यादव और क्षेत्रीय गणमान्यों ने दोनों पक्षों के बीच सुलह-समझौता कराया। गणमान्य लोगों ने दूसरे तरह से रास्ता देने का निर्णय निकाला। दोनों पक्षों की सहमति बन गई है। इसको लेकर दोनों पक्षों से एकरनामा भी करवाया गया। ताकि आवागमन को लेकर भविष्य में कोई परेशानी नहीं हो।

कनौदी गांव के युवक को अग्नि वीर ट्रेनिंग के लिए ग्रामीणों ने किया रवाना

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के चकला पंचायत अंतर्गत कनौदी गांव निवासी युगेश साव के पुत्र रविरंजन कुमार का भारतीय सेना अग्निवीर में चयन होने के बाद ग्रामीण, चकला पंचायत मुखिया दीपा भारती और जीरो टू सक्सेस एकेडमी हंटरगंज के संचालक सह प्रशिक्षक दीपक कुमार ने फूलों की वर्षा और फूलमाला पहनाकर उसे अग्नि वीर ट्रेनिंग के लिए दानापुर बिहार रेजिमेंट रवाना रवाना किया। उनके चयन और प्रस्थान पर गांव तथा आसपास के क्षेत्रों में खुशी का माहौल देखा गया। रविरंजन के परिजनों ने बताया कि नौजवान देश की सरहदों की रक्षा के लिए आगे बढ़ रहा है। बड़े उत्साह के साथ रविरंजन को ट्रेनिंग पर रवाना करने पर लोगों ने इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक बताया। परिजनों ने बताया कि उसकी माता दिव्यांग है, पिता ने हौसला दिया कि बेटा जिंदगी एक जंग है। रविरंजन शुरू से ही सेना में जाने का सपना देखना शुरू कर दिया। जिसे उसने कड़ी मेहनत और लगन से पूरा किया है। ट्रेनिंग के लिए रवाना होते समय परिजनों और प्रशिक्षक दीपक कुमार ने उसकी सलामती और सफलता के लिए दुआएं भी की। वही रविरंजन ने असफल हुए साथियों को संदेश देते हुए कहा कि किसी भी चीज का जुनून हो तो कुछ भी असंभव नहीं, बस हौसला बुलंद होना चाहिए, मेहनत जारी रखें आपकी सफलता एक ना एक दिन कदम जरूर चूमेगी। इस दौरान गांव में वंदे मातरम,भारत माता की जय और जय हिंद के जयघोष से पूरा गांव गूंजा, इस दौरान खुशी से माता- पिता और चकला मुखिया दीपा भारती भी भावुक हो गए। इस मौके पर सैकड़ों लोग मौजूद थे।

केन्दुआडीह में जहरीले गैस का संकट गहराया

कोल इंडिया के चेयरमैन ने किया स्थल निरीक्षण, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

संवाददाता

रांची : धनबाद के केंदुआडीह क्षेत्र में पिछले आठ दिनों से जहरीले गैस का रिसाव जारी है, जिससे स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। बीसीसीएल के तकनीकी दल समस्या पर काबू पाने के प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब तक गैस रिसाव पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो सका है। कई इलाकों में गैस का स्तर खतरनाक सीमा पार कर चुका है।

निरीक्षण में सामने आए खतरनाक स्तरः हालात की गंभीरता को देखते हुए कोल इंडिया के चेयरमैन सनोज कुमार झा ने बीसीसीएल अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एरिया-6 गेस्ट हाउस परिसर में गैस डिटेक्टर मशीन से 2000 पीपीएम जहरीली गैस दर्ज की गई, जबकि मस्जिद पट्टी क्षेत्र में 617 पीपीएम स्तर पाया गया, जो सामान्य मानकों से

कहीं अधिक है। ग्रामीणों की पीड़ा और प्रशासन से संवादः चेयरमैन के पहुंचते ही स्थानीय ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने अपनी परेशानियां साझा कीं और क्षेत्र में बिगड़ते हालात पर चिंता जताई। चेयरमैन ने कहा कि जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ है कि गैस रिसाव की स्थिति बेहद गंभीर है और ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

राहत कैंप का भी किया निरीक्षणः सनोज कुमार झा ने हिन्दी भवन स्थित इगलदीप द्वारा संचालित राहत कैंप का भी दौरा किया। उन्होंने वहां मौजूद चिकित्सकों से प्रभावित लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और चल रहे राहत कार्यों की सराहना करते हुए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

ग्रामीणों में नाराजगी, ठोस कार्रवाई की मांगः उधर, स्थानीय ग्रामीणों ने बीसीसीएल पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आठ दिनों से केवल निरीक्षण किए जा रहे हैं, लेकिन गैस रिसाव रोकने के लिए ठोस और प्रभावी कदम नजर नहीं आ रहे। ग्रामीणों ने तकनीकी रूप से सक्षम और त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

जिला किसान सभा की बैठक संपन्न

धान लूट व हाथियों के आतंक सहित किसान मुद्दों पर आन्दोलन का निर्णय

संवाददाता

खूंटी : जिला किसान सभा की बैठक सदानंद स्वासी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में दिशा-निर्देश के लिए झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो ने संबोधित करते हुए कहा मोदी सरकार द्वारा लाया गया किसान विरोधी बीज विधेयक और बिजली विधेयक 2025 के खिलाफ झारखंड राज्य भर में हर गांवों में बीज विधेयक और बिजली विधेयक 2025 की प्रतियां जलाई जाएगी। खूंटी सहित पूरे राज्य में धान की खरीद निर्धारित एमएसपी 24,50 रु की बजाय 15 रू16 रू है। धान लूट एवं लगातार बढ़ रहे हाथियों के आतंक पर सरकार मुकदर्शक बनीं हुई है। इन मुद्दे पर अब किसान आन्दोलन जरूरी हो गया है।

खूंटी जिला किसान सभा के जिला संयोजक प्रदीप गुड़िया ने जिला

का रिपोर्ट पेश किया। बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिये गये झ 1 दिसंबर को हर गांवों में किसान विरोधी बीज विधेयक और बिजली विधेयक की प्रतियां जलाना,हर पंचायत में धान क्रय केंद्र खोलने एवं हाथियों के आतंक के मुद्दों पर आन्दोलन करना। -खूंटी जिला किसान सभा का जिला सम्मेलन खूंटी में 28 दिसंबर को करने ,18 दिसंबर को तोरपा अंचल सम्मेलन,19 दिसंबर को अंड़की अंचल सम्मेलन,21 दिसम्बर को खूंटी एवं मुरहु अंचल सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया। 26,27,28 फरवरी 2026 को झारखंड राज्य किसान सभा का राज्य सम्मेलन नगड़ी रांची की तैयारी का भी निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिला संयोजक प्रदीप गुड़िया,राखोहरी चौधरी, सदानंद स्वासी,सुकरा प्रधान,योशेफ भैंगरा, याकुब भेंगरा,योसेफ होरो,शिबु होरो, कल्याण गुड़िया व अन्य उपस्थित थे।

आदिवासी लोहरा समाज की बैठक में समाज से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

संवाददाता

खूंटी : जिले के गुटजोरा पंचायत में लोहरा जनजाति के जाति प्रमाण पत्र से संबंधित जांच पत्रांक 355 के आधार की गयी प्रक्रिया राजस्व अंचल उप निरीक्षक अमरेंद्र कुमार सिन्हा के पर्यवेक्षण में सफलतापूर्वक पूरी हुई।

इस उपलब्धि के बाद आदिवासी लोहरा समाज, खूंटी जिला की एक बैठक गुटजोरा पंचायत में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारिणी सदस्य महावीर लोहरा ने की। बैठक में गुटजोरा पंचायत के सभी गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें ग्राम पाहन, ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य, पंचायत मुखिया सोमा मिंज, उप मुखिया समीर खलखो सहित अन्य ग्राम प्रधान एवं गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। पंचायत के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण भी इस अवसर पर मौजूद थे। आदिवासी लोहरा समाज की

ओर से प्रखंड एवं जिला स्तर के पदाधिकारी भी बैठक में शामिल हुए, जिनमें संगठन सचिव धुमेश लोहारा, प्रखंड उपाध्यक्ष रिया संगा, प्रखंड सचिव सुषमा संगा, जिला सचिव ललिता कैथा, जिला कार्यकारिणी सदस्य महावीर लोहरा, प्रखंड कार्यकारिणी सदस्य बिरसा लोहरा तथा प्रखंड महासचिव रोहिताश्व भृंगराज प्रमुख थे। बैठक में गुटजोरा पंचायत से आए समाज के सभी सदस्यों, माता-पिता, भाई-बहनों एवं बच्चों का स्वागत किया गया। आदिवासी लोहरा समाज, प्रखंड खूंटी की ओर से उपस्थित सभी ग्रामीणों, मुंडा समाज के लोगों एवं अतिथियों को हार्दिक जोहार दिया गया।

बैठक सुबह 11 बजे शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक चली। इस दौरान समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई और सामुदायिक एकजुटता दर्शायी गई।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, शोक

खूंटी : खूंटी- सिमडेगा मुख्य मार्ग पर स्थित अंगराबारी स्वास्थ्य केंद्र के पास बुधवार रात करीब 9 बजे एक सड़क दुर्घटना में 36 वर्षीय दिलीप कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस व स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतक की पहचान मुरहू प्रखंड के कुंजला गांव निवासी दिलीप कुमार के रूप में हुई है। दिलीप का परिवार पिछले 25 वर्षों से कुंजला में रह रहा था, हालांकि मूल रूप से वे कर्रा प्रखंड के घासीबारी गांव के निवासी थे। जानकारी के मुताबिक, दिलीप कुमार बुधवार को जापुद स्थित कृष्णा ढाबा में आयोजित एक जन्मदिन समारोह में शामिल होने गए थे। वापस लौटते समय रात करीब 9 बजे अंगराबारी स्वास्थ्य केंद्र के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी, जिसके बाद शव को अस्पताल पहुंचाया गया। वर्तमान में शव खूंटी सदर अस्पताल के शीत गृह में रखा गया है, जहां गुरुवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा।दिलीप कुमार की अचानक मौत से कुंजला सहित आसपास के गांवों में शोक की लहर दौड़ गई है। परिवारजन और स्थानीय लोग इस घटना से गहरे सदमे में हैं।

सिविल सर्जन सभागार में एकदिवसीय कार्यशाला

चतरा : बुधवार को सिविल सर्जन सभागार में सिविल सर्जन की अध्यक्षता में नियमित टीकाकरण एईएफआई एवं भीपीडी सर्विलेंस तथा एचपीभी टीकाकरण की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में डब्ल्यूएचओ सर्विलेंस पदाधिकारी डॉक्टर दीपक कुमार द्वारा विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी । इस कार्यशाला में मुख्य रूप से बारह बीमारियों से बचने के लिए बच्चो का टीकाकरण शत प्रतिशत करने के लिए बताया गया तथा भीपीडी सर्विलेंस के तहत खसरा, रुबेला,पोलियो,टेटनस , गलघोंटू इत्यादि बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई। एवं डॉक्टर आशुतोष कुमार आईडीएसपी चतरा द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीभी टीकाकरण किया जाना है।

शिक्षा विभाग की व्यापक समीक्षा बैठक

निजी विद्यालयों की सम्बद्धता व नामांकन पर हुए महत्वपूर्ण निर्णय

संवाददाता

चतरा : जिले की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित तथा परिणामोन्मुख बनाने के उद्देश्य से बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग से संबंधित सभी इकाइयों की एक विस्तृत एवं महत्त्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, सभी प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, बीईईओ, बीआरपी, सीआरपी सहित बड़ी संख्या में विभागीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिले के शिक्षा तंत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों, कार्यप्रणाली, विद्यालय प्रबंधन, डेटा अद्यतन, नामांकन, शिक्षक उपस्थिति और छात्र हितों से संबंधित योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक के प्रारंभ में पिरामल फाउंडेशन एवं प्रखण्ड स्तर पर की गई संयुक्त जाँच से जुड़े प्रतिवेदन प्रस्तुत किए गए, जिसमें कई निजी विद्यालयों की आरटीई सम्बद्धता संबंधी कमियों की जानकारी सामने आई। इन प्रतिवेदनों पर गंभीरता से विचार करते हुए उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में ऐसे पांच निजी विद्यालयों, जिनकी सम्बद्धता प्रक्रिया लंबित है, उनकी संचिकाएं तुरंत जिला कार्यालय में प्रस्तुत की जाएं, ताकि उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप आगे बढ़ाया जा सके। वहीं दूसरी ओर, जाँच में मानकों को पूरा नहीं करने वाले तेरह निजी विद्यालयों को बंद करने की प्रक्रिया को गति देने का आदेश दिया गया, ताकि छात्रहित को किसी प्रकार का नुकसान न हो तथा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनी रहे। बैठक में ई-विद्यावाहिनी पोर्टल एवं मध्यान्ह भोजन योजना (एमडीएम.) से जुड़े छात्र संख्या विवरणों की समीक्षा भी महत्वपूर्ण विषय रहा। कई विद्यालयों में पोर्टल पर दर्ज छात्र संख्या और वास्तविक उपस्थिति में अंतर सामने आने के बाद उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रत्येक विद्यालय का विस्तृत विश्लेषण कर वास्तविक छात्र संख्या पर आधारित रिपोर्ट तैयार की जाए। पिरामल फाउंडेशन को इन आंकड़ों का रैंडम निरीक्षण कर सत्यापन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश

दिया गया, ताकि योजनाओं के वास्तविक लाभार्थियों की पहचान सटीक रूप से सुनिश्चित हो सके। उपायुक्त ने यह भी कहा कि डेटा की विश्वसनीयता ही सरकारी योजनाओं के प्रभावी संचालन की नींव है, अतः किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिक्षक प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जिले के चिन्हित विद्यालय हैं जहाँ नामांकन अपेक्षाकृत कम है, जबकि शिक्षकों की संख्या अधिक पाई गई है। इस असंतुलन को दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि कम नामांकन वाले विद्यालयों की जाँच कर वहाँ कार्यरत अतिरिक्त शिक्षकों को आवश्यकता अनुसार अन्य विद्यालयों में प्रतिनियोजित किया जाए, ताकि पूरे जिले में शिक्षण कार्य सुचारू और संतुलित रूप से संचालित हो सके।बैठक में शिक्षकों की उपस्थिति से संबंधित मामलों पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। कई मामलों में पाया गया कि शिक्षक बिना स्वीकृति लिए अवकाश पर रहते हैं, जिससे विद्यालयों में पढ़ाई प्रभावित होती है। इस पर नाराजगी जताते हुए उपायुक्त ने यह स्पष्ट निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में संबंधित शिक्षक का अवकाश काटते हुए वेतन एवं मानदेय का भुगतान कटौती करने का निर्देश दिया गया। लगातार ऐसी लापरवाही करने वाले शिक्षकों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के लिए संचिका तैयार करने का भी आदेश दिया गया, ताकि शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने हेतु परीक्षा प्रणाली को और सशक्त बनाने पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि अब कक्षा 9 और 12 की तर्ज पर जिले में कक्षा 1 से 3 तक के विद्यार्थियों की भी जिला रेल परीक्षा प्रत्येक माह के द्वितीय शुक्रवार को अनिवार्य रूप से आयोजित की जाएगी। इससे छोटे बच्चों की मूलभूत सीखने की क्षमता, भाषा तथा गणितीय योग्यता का नियमित मूल्यांकन संभव हो सकेगा। राज्य रेल परीक्षा से संबंधित रिपोर्ट अपलोड नहीं किए जाने के मामले पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर परीक्षा परिणाम अपलोड नहीं करना गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। उन्होंने संबंधित बीईईओ एवं बीपीओ को चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि अगली समीक्षा बैठक तक शत-प्रतिशत परिणाम अपलोड नहीं किए जाने पर उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में छात्राओं के जन्म प्रमाणपत्र, आधार निर्माण व बैंक खाता खोलने से जुड़े मामलों पर भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन छात्राओं के जन्म प्रमाणपत्र तैयार हो चुके हैं, उन्हें प्रखण्ड कार्यालयों से समन्वय स्थापित कर अभिभावकों तक उपलब्ध कराया जाए तथा उनके आधार एवं बैंक खाते शीघ्र खुलवाए जाएँ, ताकि वे विभिन्न छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। अंत में, उपायुक्त ने 20 दिसम्बर 2025 को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कस्तूरबा गांधी बालिका अंतर-विद्यालय समागम की तैयारी को लेकर भी विस्तृत दिशानिर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रखण्डों को निर्देशित किया कि छात्राओं को कार्यक्रम के लिए समुचित प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए तथा आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी स्तरों पर समन्वय स्थापित किया जाए। बैठक के समापन पर उपायुक्त ने कहा कि जिले की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है और इसके लिए सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों ने दिशा-निर्देशों के अनुपालन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

झारखंड विधानसभा शीतकालीन सत्र का आज अंतिम दिन

बाबूलाल ने छात्रवृत्ति के मुद्दे पर सरकार को घेरा, वित्त मंत्री ने केंद्र पर सौतेला व्यवहार का लगाया आरोप

संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आज पांचवां और अंतिम दिन है। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने विधायक और मंत्री के बीच हुई बातचीत की जांच कराने की मांग की।

बाबूलाल ने ध्यान आकर्षण के दौरान चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पास इसकी सीडी भी उपलब्ध है, जो मैं आपको दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह भ्रष्टाचार का मामला है और विधानसभा अध्यक्ष से इस मामले में हस्तक्षेप कर जांच कराने की मांग की।

इस पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि जिस प्रकरण का जिक्र हो रहा है, वह एक पार्टी कार्यालय के भीतर का मामला है और इससे विधानसभा का कोई सरोकार नहीं है।

बाबूलाल ने सदन में उठे छात्रवृत्ति मामले, जिसमें केंद्र सरकार पर सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया था, कहा कि इस मामले की जांच पर पाया कि झारखंड सरकार ने केंद्र सरकार की गाइडलाइन का पालन नहीं कर 2022 में अपनी गाइडलाइन बना दी। इस कारण केंद्र से एसटी, एससी और ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है। बाबूलाल ने झारखंड सरकार पर लोगों को भ्रमित करने का आरोप लगाया। साथ ही संसदीय कार्यमंत्री से संबंधित पदाधिकारियों के साथ दिल्ली जाकर इस मामले को सुलझाने की बात कही। उन्होंने इस पर सहयोग करने की भी बात कही।

वित्त मंत्री ने सदन में पेश किया कैग रिपोर्ट

रांची: झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आज पांचवां और आखिरी दिन है। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने आज झारखंड में लघु खनिजों के प्रबंधन और भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का वित्त लेखा परीक्षा व विनियोग लेखा से संबंधित लेखा परीक्षा प्रतिवेदन 2024-25 (कैग रिपोर्ट) सदन के पटल पर रखा। इससे पहले सत्र के चौथे दिन सदन में पेश किए गए झारखंड पर्यटन विकास और निबंधन संशोधन विधेयक 2025 को पास किया गया।

केंद्र से सहयोग नहीं मिल रहा है : वित्त मंत्री

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सदन में आरोप लगाया कि केंद्रीय कोयला मंत्री ने बकाया 1.36 लाख करोड़ के मामले में अधिकारियों की कमेटी बनाकर बात आगे बढ़ने का आश्वासन दिया था, लेकिन इस दिशा में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने केंद्र सरकार पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया।

यह बात वित्त मंत्री ने दीपिका पांडे सिंह द्वारा यह कहने पर कि केंद्रीय पंचायती राज्य मंत्री मिलने का समय नहीं देते हैं। सभी मापदंड पूरा कर लेने के बाद भी केंद्र से राज्य को 15वीं वित्त आयोग की राशि निर्गत नहीं की जा रही है, पर कही।

डायन बताकर किया दुर्व्यवहार, जान से मारने की भी दी धमकी

– तंग आकर महिला ने 14 लोगों के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी

रांची: राजधानी रांची में एक महिला ने 14 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। दरअसल, विधानसभा थाना क्षेत्र के कुटे गांव में रहने वाली महिला ने 14 लोगों पर डायन प्रथा के नाम पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। कलावती देवी नामक महिला का कहना है कि सावन महीने में उनके गोतिया पवन की रिंग रोड के पास सड़क हादसे में मौत हो गई थी। घटना के बाद गांव के कई लोगों ने उस पर आरोप लगाया कि वह डायन है और उसकी वजह से पवन की मौत हुई है। महिला ने आगे बताया कि कई आरोपी उन्हें जबरन इटकी थाना क्षेत्र के दरहा गांव स्थित एक भगत के पास ले गए, जहां रास्तेभर उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया। इसके बाद भी आरोपी लगातार उसके साथ प्रताड़ना करते रहे। महिला का कहना है कि तब से लेकर अब तक आरोपी उसको लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं। उसे जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं जिससे परेशान होकर वह पुलिस

रांची से लखनऊ के लिए ट्रेन जल्द

अब रोज चलेगी राजधानी एक्सप्रेस, रेल मंत्री ने दी सहमति

संवाददाता

रांची/पलामूः रांची से लखनऊ के लिए एक नई ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन पलामू के रास्ते अयोध्या होते हुए लखनऊ तक जाएगी। वहीं, रांची से नई दिल्ली जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस अब प्रतिदिन चलेगी। सप्ताह में तीन दिन लोहरदगा-पलामू होते हुए दिल्ली तक जाएगी। जबकि चार दिन हजारीबाग-कोडरमा होकर जाएगी। नई ट्रेन पर रेल मंत्री की मिली सहमतिः दरअसल, पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम के नेतृत्व में जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, चतरा के सांसद कालीचरण सिंह ने रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की थी। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रांची से लखनऊ के लिए एक नई ट्रेन एवं राजधानी एक्सप्रेस के फेरा बढ़ाने को लेकर झारखंड के सांसदों को सहमति दी है एवं मामले में जरूरी पहल करने का निर्देश भी दिया है।

मुलाकात के दौरान कोहरे के कारण रद्द हुए झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस का मामला भी उठाया गया, जिसे फिर से चालू करने की सहमति बनी है। झारखंड से लखनऊ के लिए एक नई ट्रेन की लंबे अरसे से मांग की जा रही है। झारखंड के सांसदों को आश्वासन मिलने के बाद ट्रेन मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। अगले कुछ महीनो में रांची से लखनऊ तक के लिए ट्रेन का परिचालन शुरू हो जाएगा।

पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम ने मुलाकात में मिले आश्वासन एवं सहमति की पुष्टि की है। बता दें कि पलामू के इलाके से राजधानी एक्सप्रेस फिलहाल सप्ताह में दो दिन चलता है, जो अब यह तीन दिन हो जाएगा। कोहरे के कारण पलामू के इलाके के लिए लाइफ लाइन माने जाने वाली झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया था, जिसे फिर से चालू करने पर सहमति जताई गई है।

11- 13वीं जेपीएससी परीक्षा में सफल आठ अभ्यर्थियों को नियुक्त कर ट्रेनिंग में भेजे सरकार : हाईकोर्ट

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने आज 11- 13वीं जेपीएससी परीक्षा में पास होने के बावजूद नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर किए गए 10 सफल अभ्यर्थियों की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को याचिका दायर करने वाले आठ अभ्यर्थियों को तुरंत नियुक्त कर उन्हें ट्रेनिंग पर भेजने का निर्देश दिया । इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंदा सेन की अदालत में हुई। इस संबंध में सफल अभ्यर्थी जितेंद्र रजक, सूरज कुमार यादव, नीरज कुमार, आशुतोष कुमार, सुदिति सुमन, रूपाली रोशन, सूरज कुमार और रूपेंद्र प्रसाद ने याचिका दायर की थी। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने बहस की। उन्होंने कोर्ट को बताया कि आयोग ने 10 अभ्यर्थियों को यह कहते हुए बाहर कर दिया था कि हाईकोर्ट के एक अन्य

मामले में नौ सीटें आरक्षित रखी गई है। जबकि जिन 8 अभ्यर्थियों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, वे मेरिट लिस्ट में काफी ऊपर हैं और अपने-अपने वर्ग में उच्च अंक प्राप्त कर चयनित हुए थे। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि यदि सीट आरक्षित रखनी थी तो कम अंक वाले अभ्यर्थियों को रोका जाना चाहिए था, न कि ज्यादा अंक लाने वाले प्रार्थियों को।

ठंड का प्रकोपः बफीर्ली हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन, पारा 2 डिग्री गिरा

संवाददाता

रांचीः झारखंड में ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। बफीर्ली सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। तापमान में गिरावट देखी जा रही है। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव के कारण तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। इन जिलों में शीतलहर का अलर्ट, न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस

मौसम विभाग के अनुसार, पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो और खूंटी में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। यहां तेज उत्तर-पश्चिमी हवाएं चल रही हैं, जिसके कारण तापमान में तेज गिरावट दर्ज की जाएगी। फिलहाल, पिछले 24 घंटों में तापमान में बड़ी कमी देखी गई है। गुमला जिले में न्यूनतम तापमान मात्र 4 डिग्री

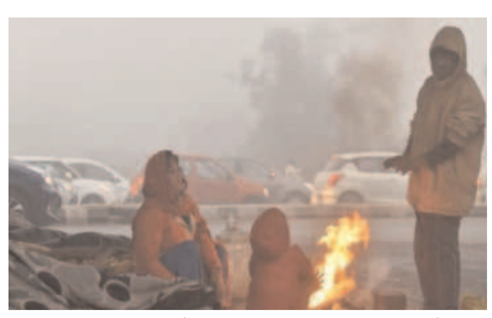

सेल्सियस पहुंच गया है, जो पूरे राज्य में सबसे कम है। वहीं डालटनगंज में अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री दर्ज किया गया है, जिससे दिन और रात के तापमान में भारी अंतर हो गया है। इस कड़कड़ाती ठंड ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं के लगातार प्रभाव से लोग सर्दी से बचने के लिए स्वेटर, जैकेट और अलाव जैसी गर्माहट देने वाली चीजें फिर से निकालने लगे हैं। मौसम में आए इस बदलाव ने झारखंड में सर्दी की दूसरी लहर आने का संकेत दे दिया है। इस दौरान नेशनल हेल्थ मिशन ने भी एडवाइजरी जारी की है, जिसमें लोगों को गर्म कपड़े पहनकर बाहर निकलने, पर्याप्त भोजन करने और यदि सर्दी, जुकाम या फ्लू के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता या डॉक्टर से संपर्क करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही ठंड से होने वाली किसी भी गंभीर समस्या जैसे बेहोशी या भाषा लड़खड़ाने की स्थिति में शीघ्र चिकित्सीय मदद लेने की सलाह दी गई है।

फांसी के फंदे पर झूला छात्र, फैली सनसनी

हजारीबागः जिले के कोरर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां 16 वर्षीय छात्र अंकित कुमार ने लॉज में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अंकित कुमार हजारीबाग में एक लॉज में रहकर आईएससी की पढ़ाई कर रहा था। सुबह जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो इसकी सूचना लॉज संचालक को दी गयी। दरवाजा खोलने पर अंदर छात्र का शव फंदे से लटकता हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही कोरर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, शव को नीचे उतारकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रारंभिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। इस दर्दनाक घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है। परिजनों को सूचना दे दी गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, खूँटी

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

गुमशुदा महिला जोहनी हस्सा उम्र– करीब 24 वर्ष, पति–खुदिया हस्सा, ग्राम–चुकलू, थाना–अड़की, जिला–खूँटी, दिनांक–29.11.2025 को घर में बिना बताये कहीं चली गई है जो आज तक घर नहीं लौटा है। उक्त गुमशुदा महिला को पता लगाने का काफी प्रयास किया गया, परन्तु कुछ पता नहीं चल पा रहा है। इस संबंध में खूँटी थाना सनहा सं0–20/25, दिनांक–05.12.25 दर्ज किया गया है।

गुमशुदा महिला की विवरणीः–

1.नाम–जोहनी हस्सा
2.उम्र–करीब 24 वर्ष।
3. रंग–सांवली एवं ऊँचाई लगभग–4 फीट 1 इंच।
4. चेहरा–गोल।
5. बाल–काला।
6.आँख–काला सामान्य।
7.पहनावा–नारंगी रंग का सूट, हरा पैजामा, हवाई चप्पल एवं सफेद फूल का डिजाईन बना हुआ हरा रंग का शॉल।

अतः सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि उक्त गुमशुदा महिला के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंम्ब सूचित करेंगें।

पुलिस अधीक्षक, खूँटी – 9431706116
थाना प्रभारी, खूँटी – 7004222835
डी0सी0बी0, शाखा, खूँटी – 8340655295

ह0/–
पुलिस अधीक्षक, खूँटी

PR 368183 (Police)25-26*D

रिम्स ओपीडी में बढ़ी भीड़, डॉक्टर ने ठंड से बचने की दी चेतावनी

- ✔ ठंड बढ़ने से बच्चों के स्वास्थ्य पर असर
- ✔ उल्टी, दस्त, बुखार और खांसी-जुकाम के मामले बढ़े
- ✔ ठंड में बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता हो जाती है कमजोर

संवाददाता

रांचीः राजधानी में ठंड लगातार बढ़ रही है और इसका सीधा असर बच्चों की सेहत पर दिखाई दे रहा है। मौसम में अचानक आए बदलाव के बीच उल्टी, दस्त, बुखार और खांसी-जुकाम के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। रिम्स में पिछले 15 दिनों में सामान्य दिनों से 30 प्रतिशत बीमार बच्चों की संख्या बढ़ी है। रिम्स और सदर अस्पताल के ओपीडी में इन दिनों बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे पहुंच रहे हैं, जिन्हें ठंड लगने के कारण पाचन से जुड़ी समस्याएं हो रही हैं। डाक्टरों का कहना है कि ठंड में छोटे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ जाती है, जिससे उन्हें इंफेक्शन होने की संभावना अधिक रहती है। रिम्स के शिशु रोग विशेषज्ञ डा. पीके चौधरी

ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में उल्टी और डायरिया के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में बच्चों को गर्म रखने के साथ-साथ खानपान पर विशेष ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि तापमान गिरने पर शरीर का मेटाबालिज्म धीमा पड़ जाता है और बैक्टीरिया-वाईरस का असर तेजी से होता है। डा. चौधरी के मुताबिक, कई बच्चों में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) की स्थिति भी देखी जा रही है, जो गंभीर हो सकती है।

लक्षण जो माता-पिता को पहचानने चाहिए

ाक्टरों के अनुसार, जिन बच्चों को ठंड की वजह से उल्टी या पेट संबंधी समस्या हो रही है, उनमें निम्न लक्षण देखे जा सकते हैं-

बार-बार उल्टी या मिचली,पेट दर्द,

हल्का या तेज बुखार,सुस्ती और दूध,भोजन लेने में कमी,पेशाब कम होना, होंठ सूखना (डिहाइड्रेशन के संकेत),दस्त या ढीला मल होना

खांसी-जुकाम के साथ गले में संक्रमण

विशेषज्ञ बताते हैं कि शुरूआती लक्षण दिखते ही बच्चों को बाहर कम ले जाएं और घर के अंदर भी ठंड से बचाने का पूरा ध्यान रखें। यह भी देखा गया है कि बहुत छोटे बच्चों में ठंड लगने के बाद पेट में संक्रमण जल्दी फैलता है, जिससे उल्टी अचानक शुरू हो सकती है।

डाक्टरों ने बताया कि अधिकांश मामलों में समय पर देखभाल और घरेलू उपचार से बच्चों की स्थिति सुधर जाती है। यदि बच्चा उल्टी कर रहा है, तो उसे बार-बार पानी या ओआरएस का घोल थोड़ा-थोड़ा पिलाना चाहिए। एक साथ अधिक पानी देने से उल्टी बढ़ सकती है, इसलिए छोटे घूंट में तरल पदार्थ देना बेहतर है।

बताया गया कि बच्चे को बिल्कुल भूखा न रखें, बल्कि हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन दें। छोटे बच्चों को खिचड़ी, सूप, दाल का पानी और बड़े बच्चों को टोस्ट, उबला चावल या सादा खाना दिया जा सकता है।

कार्यालय, जिला परिषद, रॉची (अभियंत्रण शाखा)
टेन्डर रिफ्रेन्स नम्बर–DOPR/DE/Ranchi/21/2025-26
PR.NO.364003 & 367890

अल्पकालीन पुनः ई–निविदा आमंत्रण सूचना

क्र0स0	ग्रु0स0	योजना का नाम	स्वीकृत राशि (रुपये में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
01	01	कस्तुरबा गांधी बालिका विधालय बुढमू में 6 अदद अतिरिक्त वर्ग कक्षा का निर्माण।	94,57,000.00	1,90,000.00	10,000.00	12 माह
02	03	कस्तुरबा गॉधी बालिका विधालय ओरमॉझी में 6 अदद अतिरिक्त वर्ग कक्षा का निर्माण।	94,57,000.00	1,90,000.00	10,000.00	12 माह
03	04	कस्तुरबा गॉधी बालिका विधालय बुण्डू में 6 अदद अतिरिक्त वर्ग कक्षा का निर्माण।	94,57,000.00	1,90,000.00	10,000.00	12 माह
04	07	खलारी प्रखण्ड अंतर्गत मोहन नगर के अम्बेदकर पार्क एवं पुस्तकालय का जीर्णोद्धार कार्य।	1,95,68,800.00	3,92,000.00	10,000.00	12 माह
05	09	खलारी प्रखण्ड अंतर्गत राजकीय मध्य विधालय डकरा में जर्जर भवन को तोडकर छः नए कमरे का निर्माण।	91,64,000.00	1,83,500.00	10,000.00	12 माह

नोट :–केवल ई–टेण्डर ही स्वीकार होगें।
1.अधिक जानकारी के लिए बेबसाईट jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
2. बेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि– 17.12.2025
3. ई–निविदा की प्राप्ति की तिथि एवं समय–18.12.2025 से0 24.12.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. **निविदा खोलने की तिथि–26.12.2025 को 5.00 बजे अपराह्न।**
5. निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम एवं पता–जिला अभियंता, जिला परिषद, राँची। ई–निविदा प्रकोष्ट का दुरभाषनं0– 7739519093
6. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि काई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
8. Form of Bid एवं Bill of Quauntity में दर भिन्न रहने पर संबंधित निविदा दाता का निविदा अमान्य समझा जाएगा।
9. **निविदा डबल बीड प्रद्वति से होगा।**
10. **इस निविदा में जिला परिषद, राँची में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक ही भाग लेगें।**

जिला अभियंता,
जिला परिषद, राँची

PR 368215 (Panchayati Raj)25-26*D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

जब शिक्षा अभिभावक के लिए आर्थिक बोझ बन जाए, तब गहन विचार जरूरी है!

भारत का मध्यम वर्ग हमेशा से अनकहा विश्वास अपने दिल में सँजोए रखता है कि शिक्षा ही उसके बच्चों का भविष्य बदल सकती है। इस वर्ग की पहचान ही इसी उम्मीद से होती रही है कि भले ही आय सीमित हो और खर्च अधिक, किंतु बच्चों की शिक्षा पर कोई समझौता नहीं होगा। पर साल 2025 में सामने आए आंकड़े बता रहे हैं कि जिस शिक्षा को मध्यम वर्ग अब तक अपने सपनों की सबसे सुरक्षित सीढ़ी समझता आया है, वही सीढ़ी इतनी महंगी हो चुकी है कि लाखों परिवार उसके पहले पायदान पर पैर रखने से पूर्व ही हाँफने लगे हैं। हाल ही में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की लिंक्डइन पोस्ट ने इस चिंता को और तेज कर दिया है। पोस्ट में बताया गया कि एक सामान्य, साधारण निजी स्कूल (किसी प्रीमियम इंटरनेशनल संस्था की बात नहीं) में पहली से बारहवीं तक पढ़ाई कराने में कुल खर्च 20 से 22 लाख रुपए तक पहुँच रहा है। यह राशि सिर्फ फीस नहीं है; इसमें किताबें, यूनिफॉर्म, ट्रांसपोर्ट, स्मार्ट-क्लास, ट्यूशन, गैजेट और आजकल हर घर में अनिवार्य बन चुकी ऑनलाइन शिक्षण सामग्री भी शामिल है। दूसरी ओर बात यदि प्रीमियम स्कूलों में किए जानेवाले खर्च की हो तो यह राशि 35 से 40 लाख तक पहुँच रही है। चर्टर्ड अकाउंटेंट और टीचर मीनल गोयल की इस लिंक्डइन पोस्ट के अनुसार प्राइमरी स्कूल (कक्षा 1-5) से 5.75 लाख रुपए, मिडिल स्कूल (कक्षा 6-8) से 5.9 लाख रुपए तथा हाई स्कूल (कक्षा 9-12) तक में 9.2 लाख रुपए, इस तरह से कुल खर्चः 20 से 22 लाख रुपए तक हो जाता है। यह एक ऐसा ग्राफ है जो हर साल ऊपर चढ़ रहा है और उस पर मध्यम वर्ग की कमाई का ग्राफ कहीं नीचे ठहर गया है। ऐसे में स्वाभाविक है कि चिंताएँ बढ़ेंगी। इन चिंताओं को राष्ट्रीय सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) की साल 2024 की रिपोर्ट और भी वैधता देती है। रिपोर्ट कहती है कि पिछले दस वर्षों में शहरी निजी स्कूलों की फीस में 169 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि सामान्य महंगाई दर से तो ऊपर है ही औसत वेतन वृद्धि को भी कई गुना पीछे छोड़ देती है। जब आय बढ़ने की रफ्तार 5 से 7 प्रतिशत हो और स्कूल फीस बढ़ने की रफ्तार 15 से 25 प्रतिशत तक पहुँच जाए तब इसका सीधा अर्थ है कि मध्यम वर्ग की आर्थिक नींव लगातार कमजोर होती जाएगी, जिसका कारण कहीं न कहीं अभिभावक का अपने बच?चों की पढ़ाई पर उठाया जा रहा व?यय है। दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे और हैदराबाद में स्थिति और भी गंभीर है। कई अभिभावक बताते हैं कि स्कूल हर साल 10 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ा रहे हैं, जबकि कई स्कूलों ने 25 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि कर दी है। दिल्ली सरकार ने निजी स्कूल फीस को नियंत्रित करने के लिए कई नियम बनाए, किंतु विद्यालयों ने उससे बचने के नए रास्ते निकाल लिए डेवलपमेंट फीस, इंफ्रास्ट्रक्चर फीस, एक्टिविटी फीस, टेक्नोलॉजी फीस, स्मार्ट-क्लास चार्ज और न जाने कितने नए नाम से धनराशि वसूली जा रही है। अभिभावक कहते हैं कि फीस कम हो भी जाए तो स्कूल अन्य शुल्क बढ़ा देता है, जिससे कुल राशि पहले से अधिक ही हो जाती है। कई बार तो ऐसा लगता है कि स्कूल बच्चों को पढ़ाने से ज्यादा सुविधाओं के नाम पर आय बढ़ाने में रुचि रखते हैं, जिन सुविधाओं का वास्तविक लाभ बच्चों तक पहुँच भी नहीं पाता। सबसे चिंताजनक स्थिति उन परिवारों की है जिन्हें कभी कल्पना भी नहीं थी कि उन्हें बच्चों की स्कूलिंग के लिए कर्ज लेना पड़ेगा, लेकिन आज यह वास्तविकता बन चुकी है। कई अभिभावक अपनी आय का 30 से 40 प्रतिशत सिर्फ स्कूल की फीस चुकाने में खर्च कर देते हैं। बाकी पैसा घर का किराया, मेडिकल खर्च और जरूरी चीजों में समेटना पड़ता है। कुछ परिवार अपनी जीवनशैली में बड़ी कटौतियाँ करने को मजबूर हो गए हैं; मनोरंजन, यात्राएँ, बचत, सबकुछ शिक्षा के नाम पर स्थगित कर दिया गया है। यहाँ तक कि ऐसे भी परिवार मिल रहे हैं जो बच्चों को स्कूल न भेजने या अपेक्षाकृत सस्ते विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। शिक्षा का महत्व उनके लिए कम नहीं हुआ लेकिन उसकी लागत अब उनकी ताकत से बाहर निकलने लगी है। यह स्थिति उस बिंदु पर पहुँची है जहाँ शिक्षा का सपना अब प्रेरणा नहीं बल्कि बोझ महसूस होने लगा है। ऐसे में स?वभाविक है कि इस आर्थिक दबाव का असर परिवारों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। माता-पिता साल भर ह्यअगले महीने की फीसह्ल के तनाव में जीते हैं। यह तनाव बच्चों तक पहुँचता है और घर का वातावरण प्रभावित करता है। चिंता की बात यह है कि यह समस्या सिर्फ महानगरों तक सीमित नहीं है। छोटे शहरों में भी निजी स्कूल फीस लगातार बढ़ा रहे हैं। अंततः सवाल यह है कि यदि शिक्षा एक ऐसा आर्थिक बोझ बन जाए जिसके लिए परिवारों को कर्ज में डूबना पड़े या अपनी बुनियादी जरूरतों में कटौती करनी पड़े, तो इसे शिक्षा का विकास नहीं कहा जा सकता। यह सामाजिक असमानता के बढ़ने का संकेत है। जबकि शिक्षा वह सीढ़ी है जिस पर चढ़कर कोई भी परिवार अपनी आर्थिक और सामाजिक स्थिति बदल सकता है। लेकिन यदि वही सीढ़ी इतनी महंगी हो जाए कि मध्यम वर्ग उसका पहला पायदान भी न छू पाए तो यह परिवारों के लिए ही नहीं देश के भविष्य के लिए भी गंभीर खतरा है। अतः इस संबंध में अब यह आवश?यक हो गया है कि केंद्र एवं राज?य सरकारें, भारत के नीति निमार्ता, शिक्षा विशेषज्ञ और समाज मिलकर यह सोचे कि शिक्षा को कैसे फिर से उसके मूल स्वरूप में लौटाया जाए, जहां वह सभी के लिए समान रूप से अपनी योग?यता और आर्थिक क्षमता के अनुसार सुलभ, समावेशी और सभी के लिए समान रूप से देने के लिए उपलब?ध हो सके। क्योंकि यदि शिक्षा ही हाथ से निकल जाए तो भविष्य का सपना भी धीरे-धीरे खोने लगता है। ऐसे में स?वभाविक तौर पर भारत के प्रत?येक मध?यमवर्गीय परिवार की ये गहरी चिंता है, जिसका समाधान हर हाल में निकलना चाहिए।

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हों सकारात्मक प्रयास

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है।

रमेश सर्राफ धमोरा

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते हैं। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसंबर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं, जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है। 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं और मानवाधिकार प्राप्य हैं। मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते हैं जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते हैं। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है कि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है। भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 23, 24, 39, 43, 45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के लिए सुनिश्चित हैं।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारों से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिए बनाये गये कानून महज कागजों में सिमट कर रह जाते हैं।

इतिहास गवाह है कि भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोड़ने वाले को अदालत सजा भी देती है।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीड़न पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान हैं या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखें तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम सालभर ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है।

बालासाहब देवरस : संघ की व्यवहारिक परंपरा के शिल्पी और युगद्दष्टा

भारत के लगभग हर प्रांत की यात्रा की, समाज के विविध वर्गों से संवाद स्थापित किया और संघ को समाज के और समीप लाने का प्रयास निरंतर करते रहे। द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी गोलवलकर के निधन (5 जून 1973) के बाद संघ की परंपरा के अनुसार उन्होंने गुरुजी द्वारा लिखित पत्र खोलकर पढ़ा, जिसमें उन्हें सरसंघचालक नियुक्त करने की इच्छा व्यक्त थी। 6 जून 1973 को उन्होंने यह दायित्व स्वीकार किया।

-रमेश शर्मा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी यात्रा का सबसे विलक्षण पक्ष यह है कि निरंतर वैचारिक हमलों, दुष्प्रचार और असंख्य चुनौतियों के बीच भी संघ के कार्य में अविराम विस्तार होता गया। इसका कारण संगठन की संरचना या प्रशिक्षण पद्धति तो है ही, साथ में वह व्यवहारिक दृष्टि भी है जिसने समय, समाज और परिस्थिति के अनुसार संघ को लगातार नये आयाम दिए हैं। इस व्यवहारिकता को वास्तविक गति जिस नेतृत्व ने दी, वह थे संघ के तृतीय सरसंघचालक बालासाहब देवरस, एक ऐसा व्यक्तित्व जिसने संघ को समाज के और निकट लाया, संवाद को परंपरा का अंग बनाया और संघ कार्य को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 1925 में हुई और इसके लगभग डेढ़ वर्ष बाद नियमित शाखाएँ आरंभ हुईं। इन्हीं प्रारंभिक शाखाओं में से एक में बालासाहब देवरस स्वयंसेवक बने। तब उनकी आयु मात्र ग्यारह वर्ष थी। यह शाखा डॉक्टर हेडगेवार द्वारा स्वयं शुरू की गई थी और उस प्रथम टोली में बालासाहब के साथ केशवराव वकील, त्र्यंबक झिलेदार, अल्हाड़ जी अंबेडकर, नरहरि पारखी, माधवराव मुले और एकनाथ रानाडे जैसे तेजस्वी स्वयंसेवक शामिल थे। किशोर बालासाहब की बुद्धि अत्यंत तीक्ष्ण थी और विषय को सुनकर उसकी प्रस्तुति करने में वे असाधारण क्षमता रखते थे। डॉक्टर हेडगेवार के सान्निध्य ने बालासाहब के व्यक्तित्व को दिशा दी और धीरे-धीरे संघ की संकल्पना, राष्ट्रनिष्ठ शिक्षा और सांस्कृतिक प्रेरणाओं ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने जीवन के आरंभिक काल में ही यह निश्चय कर लिया कि संघ ही उनकी साधना और राष्ट्र ही उनका ध्येय होगा। देवरस जी के व्याख्यानों में ऐसी गहराई और व्यापकता थी कि श्रोता चाहे स्वयंसेवक हों या समाज के अन्य प्रबुद्ध जन एकाग्रता से बंधे रहते थे। संघ में प्रचारक से सरसंघचालक तक हर दायित्व उन्होंने पूरे मन, विवेक और संकल्प के साथ निभाया। भारत के लगभग हर प्रांत की यात्रा की, समाज के विविध वर्गों से संवाद स्थापित किया और संघ को समाज के और समीप लाने का प्रयास निरंतर करते रहे। द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी गोलवलकर के निधन (5 जून 1973) के बाद संघ की परंपरा के अनुसार उन्होंने गुरुजी द्वारा लिखित पत्र खोलकर पढ़ा, जिसमें उन्हें सरसंघचालक नियुक्त करने की इच्छा व्यक्त थी। 6 जून 1973 को उन्होंने यह दायित्व स्वीकार किया। तब वे अट्ठावन वर्ष के थे, मधुमेह से भी पीड़ित थे, किन्तु शरीर की परवाह किए बिना उन्होंने देशव्यापी यात्राएँ तेज कर दीं और संघ-कार्य में पुनः ऊर्जा का संचार किया। इन्हीं वर्षों में देश में महंगाई विरोधी आंदोलन उभर रहा था, जिसका नेतृत्व जयप्रकाश नारायण कर रहे थे। इस आंदोलन में संघ कार्यकर्ता प्रभावी भूमिका निभा रहे थे और देवरस जी स्वयं विभिन्न प्रांतों की यात्रा कर समाज को एकजुट होने का आवाह्न कर रहे थे। उनकी यात्राओं ने संघ के संबंध में फैलाई गई अनेक भ्रांतियाँ दूर कीं और कार्यकताओं में नया उत्साह पैदा किया। सरकार को भी यह स्पष्ट दिखने लगा था कि आंदोलनकारी जनशक्ति में संघ का प्रभाव व्यापक है। देवरस जी को समय रहते ही अंदेशा हो गया था कि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी कठोर निर्णय ले सकती हैं। उन्होंने शीर्ष अधिकारियों को सावधान भी किया।

25 जून 1975 को आपातकाल लगाया गया तथा 30 जून को देवरस जी गिरफ्तार कर लिए गए। 4 जुलाई को संघ पर प्रतिबंध लगा और देशभर में लगभग एक लाख स्वयंसेवक जेलों में बंद किए गए। किंतु देवरस जी की दूरदृष्टि, संगठन की तत्परता और उनकी पूर्व व्यवस्था के कारण संघ की सक्रियता दमन, गिरफ्तारी और प्रतिबंध के बावजूद बनी रही। आपातकाल समाप्त होते ही संघ पुनः अपनी गति से सक्रिय हो उठा, यह उनकी संगठनात्मक क्षमता और मानसिक दृढ़ता का प्रमाण है। देवरस जी ने संघ की कुछ परंपराओं को समयानुकूल रूप से परिवर्तित भी किया। ह्यपरम पूजनीयह्ल संबोधन को उन्होंने व्यक्ति नहीं, दायित्व के लिए सीमित किया। वे बौद्धिक परंपरा को एकतरफा भाषण न बनाकर संवाद का माध्यम बनाना चाहते थे। उनका मानना था कि यदि स्वयंसेवक के भीतर प्रश्न उठता है तो उसका समाधान आवश्यक है। उन्होंने बौद्धिक कार्यक्रमों में शंका-समाधान को अनिवार्य बनाया और इसे संघ के सांस्कृतिक ढाँचे का स्थायी तत्व बना दिया। सरसंघचालक के उत्तराधिकार से जुड़ी परंपरा में भी उन्होंने महत्वपूर्ण परिवर्तन किया। उन्होंने अपने जीवनकाल में ही रज्जू भैया को दायित्व सौंपकर यह संदेश दिया कि संगठन नेतृत्व को रहस्य या औपचारिकता नहीं, बल्कि पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। बाद में रज्जू भैया, सुदर्शन जी और वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत तक ये परंपरा आगे आते हुए हमें दिखाई देती है। बालासाहब देवरस के भोपाल प्रवास संघ-कार्य के सामाजिक विस्तार के लिए विशेष महत?व रखते हैं। तात्या टोपे नगर के स्टेडियम में सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थियों का विशाल समागम, जिसमें हजारों बच्चे और शहर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे, उनके विशिष्ट मार्गदर्शन का उदाहरण है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दुत्व को किसी संकीर्ण परिभाषा में नहीं, बल्कि एक व्यापक सांस्कृतिक स्वरूप में रखा। ऐसा स्वरूप जिसमें आधुनिकता का स्वागत है, पर आत्मबोध और स्वत्व की रक्षा भी अनिवार्य है। उनके अनुसार व्यक्ति अपने मूल से जितना गहरा जुड़ा होता है, उतनी ऊँचाइयाँ प्राप्त कर सकता है। उसी कार्यक्रम में उन्होंने उभरती पीढ़ी को समयानुकूल व्यवहार और सिद्धांतों की दृढ़ता का संदेश दिया, जबकि प्रबुद्ध जनों से समाज की भ्रांतियों को दूर करने और नई पीढ़ी को मूल भारतीयता से जोड़ने का आव्हान किया।बालासाहब देवरस का जीवन अत्यंत साधारण परिवार से प्रारंभ होकर राष्ट्रसेवा की उच्चतम परंपरा तक पहुँचा। उनका जन्म 11 दिसम्बर 1915 को बालाघाट जिले के करंजा स्थान में हुआ। पिता दत्तात्रेय कृष्णराव शासकीय सेवा में थे और माता पार्वती बाई भारतीय परंपराओं की अनुयायी थीं। शिक्षा नागपुर के न्यू इंग्लिश हाई स्कूल और नागपुर कॉलेज से वकालत तक पहुँची। पढ़ाई पूरी होते ही वे पूर्णकालिक प्रचारक बने। 17 जून 1996 को उनका निधन हुआ। अतः उनके जीवन का सार यही है कि व्यक्ति चाहे कितना ही विद्वान क्यों न हो, यदि वह समाज से जुड़ा नहीं है तो उसका ज्ञान अधूरा है। बालासाहब देवरस ने संघ को समाज से जोड़ने का, संवाद को संघ की संस्कृति बनाने का और संगठन को समयानुकूल ढालने का कार्य जिस सहजता और दृढ़ता से किया, वह उन्हें एक युगद्दष्टा के रूप में स्थापित करता है।

मार्गशीर्ष दुर्गाष्टमी व्रत से अधूरी मनोकामनाएं होती हैं पूरी

आज मार्गशीर्ष दुर्गाष्टमी व्रत है, सनातन धर्म में इस पर्व का अपना अलग ही महत्व है। साल के प्रत्येक महीने में मां आदि शक्ति दुर्गा की उपासना का भी विधान है। इस दिन माता दुर्गा की विधि-विधान से पूजा आराधना की जाती है, इस दौरान माता दुर्गा पृथ्वी पर निवास करती हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामना पूरी करती हैं तो आइए हम आपको मार्गशीर्ष दुर्गाष्टमी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं। मार्गशीर्ष शुक्ल अष्टमी का दिन देवी मां की विशेष आराधना के लिए बहुत ही शुभ माना जाता है। इस बार की मासिक दुर्गाष्टमी कई शुभ योगों के साथ पड़ रही है, जो साधकों के लिए वरदान सिद्ध होने वाली है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन विधि-विधान से की गई दुर्गा पूजा हर मनोकामना पूरी करती है और जीवन में सुख, शांति, सौभाग्य व समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस बार मार्गशीर्ष माह की मासिक दुर्गाष्टमी पर हर्षण योग का बहुत ही शुभ संयोग बन रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हर्षण योग में की गई पूजा और उपाय साधक के जीवन में हर्ष और मंगल लेकर आते हैं। ऐसे में मासिक दुर्गाष्टमी के इस पावन पर्व पर मां दुर्गा की आराधना करने से भक्तों की हर अधूरी मनोकामना पूरी होगी। आदि शक्ति मां दुर्गा को समर्पित ह्यमासिक दुर्गा अष?टमीह्ल का व्रत हर महीने के शुक?ल पक्ष की अष?टमी तिथि को मनाई जाती है। इस बार अगहन मास की दुर्गा अष?टमी का व्रत 28 नवंबर 2025, शुक्रवार को मनाई जाएगी।

वैदिक पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष शुक्ल अष्टमी तिथि 28 नवंबर को देर रात 12:29 बजे शुरू होगी और तिथि का समापन 29 नवंबर को देर रात 12:15 बजे होगा। मां दुर्गा की पूजा निशिता काल में की जाती है. इस तहर 28 नवंबर को अगहन माह की दुर्गा अष्टमी पूजा की जाएगी।

मार्गशीर्ष दुर्गाष्टमी के दिन व्रत रखने का विशेष महत्व होता है। इस दिन भक्त एक समय भोजन करते हैं या फिर फलाहार करते हैं। व्रत रखने से मन एकाग्र होता है और देवी दुर्गा की भक्ति में मन लगता है। पूरे विधि विधान से व्रत पूरा करने पर लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान होता है। इसके अलावा घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है.इसलिए यह व्रत रखा जाता है। पंडितों के अनुसार दुर्गाष्टमी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करना चाहिए। इसके बाद गंगाजल डालकर माता दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करनी चाहिए। माता दुर्गा का गंगाजल से अभिषेक करना चाहिए। इसके साथ ही माता दुर्गा के सामने दीप प्रज्वलित करना चाहिए। उसके बाद अक्षत सिंदूर और लाल पुष्प अर्पित करना चाहिए और भोग के रूप में मिठाई चढ़ाना चाहिए। धूप,दीप, अगरबत्ती जलाकर दुर्गा चालीसा का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से माता दुर्गा जल्द प्रसन्न होती है और अपने भक्तों की सभी मनोकामना पूरी करती है।

टिप्स

सर्दियों में कौन-से विटामिन की कमी से लगती है ज्यादा ठंड

कुछ लोगों को सर्दियो में सबसे ज्यादा ठंड लगती है। अक्सर हाथ-पैर भी ठंडे रहते हैं। ऐसे लोग सर्दियों में हीटर के सामने ही दिन बिताते हैं या फिर रजाई में लेटे रहते हैं। यदि आपको भी इस मौसम में ठिठुरन वाली ठंड लगती हैं, तो यह लेख आपके लिए है। यदि आपके साथ भी ऐसा है तो यह गलती सर्दी की नहीं, बल्कि आपके शरीर में हो रही कमियों का परिणाम भी हो सकता है। शरीर में कुछ विटामिनों की कमी से व्यक्ति को ठंड ज्यादा लगती है। खासतौर पर बॉडी में रेड ब्लड सेल्स की कमी के कारण भी ठंड ज्यादा लगती है। क्योंकि यह शरीर के टिश्यूज को ऑक्सीजन पहुंचाते हैं। पूरे शरीर में कोशिकाओं को हीट देने और शरीर का टेंपरेचर बनाए रखने वाली मेटाबॉलिज्म प्रोसेस के लिए इस ऑक्सीजन की जरुरत होती है। अगर शरीर में विटामिन की कमी होती है तो रेड ब्लड सेल्स कम हो जाते हैं। जिस वजह से बाकी लोगों की तुलना में आपको ठंड ज्यादा लगती है। जानिए किस विटामिन की कमी से लगती है सर्दी।

विटामिन बी12 की कमी : जिन लोगों की बॉडी में विटामिन बी 12 कमी होती या फिर मेगा लो ब्लास्टिक एनीमिया की शिकायत होती है। ऐसे लोगों के रेड ब्लड सेल्स की संख्या कम हो जाती है और उनका आकार नॉर्मल से ज्यादा बढ़ जाता है। जिस वजह से ठंड के प्रति शरीर सेंसेटिव हो जाता है। इसलिए विटामिन बी 12 की कमी को दूर करें। अच्छी डाइट का सेवन करें।

फोलेट की कमी : आपको बता दें कि, फोलेट को विटामिन बी 9 के नाम से जाना जाता है। फोलेट की कमी होने से व्यक्ति को ठंड ज्यादा लगती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, फोलेट शरीर में स्ट्रांग रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करता है। जब शरीर में पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी 9 यानी फोलेट की मात्रा नहीं होगी तो विटामिन 12 की कमी स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**
www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

हर वर्ग के लोगों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक होना चाहिए : अखिल

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मंडल कारा, साहिबगंज विभिन्न विद्यालयों पंचायतों सहित जिले भर में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया मानवाधिकार हमारे रोजमर्रा के आवश्यक तत्व है। जिसका उद्देश्य लोगों को यह याद दिलाना है कि मानवाधिकार केवल कानूनी अवधारणाएं नहीं बल्कि हमारे दैनिक जीवन के अभिन्न अंग हैं।जैसे कि सुरक्षित आवास भोजन शिक्षा और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार। उन्होंने मानवाधिकारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समाज के हर वर्ग विशेषकर कमजोर और हाशिए पर रहने वाले लोगों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक होना चाहिए ताकि वे

अन्याय, शोषण और भेदभाव से खुद को बचा सकें। भगत ने जोर देकर कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण किसी भी नागरिक को न्याय से वंचित न किया जाए।साहिबगंज में आयोजित विशेष शिविर में मंडल कारा, साहेबगंज में लीगल एड डिफेन्स कौंसिल के श्रीमती कामनी शर्मा रविन्द्र श्रीवास्तव ने बंदियों को मानवाधिकार के बारे में बताया और विधिक परामर्श दिया।जिले भर में विभिन्न स्थानों, विद्यालयों और पंचायतों में भी जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए, जहां पैरा लीगल वालंटियर्स न्याय मित्रों ने नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों और जिला विधिक सेवा प्राधिकार की मुफ्त कानूनी सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी दी।प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया की जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय में पात्र व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सलाह और सहायता प्रदान करने के लिए विशेष डेस्क फ्रंट ऑफिस स्थापित किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज, समाज में न्याय की समान पहुँच सुनिश्चित करने और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के अपने मिशन के प्रति समर्पित है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण पहल है : पूनम

संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड अंतर्गत नगर पालिका कन्या उच्च विद्यालय पुरानी साहिबगंज में बुधवार को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निदेर्शानुसार मंथन संस्था चाइल्ड हेल्पलाइन एवं संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देखरेख के सहयोग से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चियों को जागरूक किया गया।कार्यक्रम के अध्यक्षता बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी के अध्यक्षता में किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया। उन्हें आत्मनिर्भर बनने आत्मरक्षा के कौशल सीखने और कठिन परिस्थितियों में साहस के साथ खड़े होने के लिए प्रेरित किया गया।जिसमे बाल विवाह, बाल श्रम और शोषण जैसी सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने के लिए सिर्फ सरकारी प्रयास ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की भागीदारी जरूरी है। वही पूनम कुमारी ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ भारत सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल है। इसे लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए शुरू किया गया था। यह योजना शिक्षा, वित्तीय सुरक्षा और लड़कियों के खिलाफ हानिकारक प्रथाओं को खत्म करने पर केंद्रित है।2015 में, भारत सरकार ने देश में लैंगिक भेदभाव और महिला सशक्तिकरण के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की शुरूआत की गई थी। जहा बच्चियो को गुड टच-बैड टच की समझ, बाल विवाह, बाल श्रम, यौन शोषण, पोक्सो एक्ट, नशा मुक्ति, स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर, दत्तक ग्रहण प्रक्रिया और किशोर न्याय अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण विषयों की विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं बच्चियों के बीच एंटी साइबर क्राइम जैसे घटनाओं के बारे में जानकारी दी गई और बताया गया कि अगर ऐसी घटनाएं उनके साथ होती है तो 1930 पर इसकी सूचना दे सकते हैं या नंबर टोल फ्री है। बच्चियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता के संबंधित कई सारी जानकारियां साझा की जानकारिया जिससे बच्चिया स्वच्छ एवं स्वस्थ रह सके।वही सखी वनस्टॉप सेंटर के बारे में जानकारी दिया गया महिला को सामाजिक कुरीतियों से बचाने के लिए 181 टोलफ्री नंबर जी जानकारी दिया गया। मौके पर चंदा कुमारी, नाहिद प्रवीण, गौतम कुमार आदि मौजूद रहे।

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं : पवन

संवाददाता

साहिबगंज : मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में तथा राजभाषा विभाग के तत्वावधान में हिंदी साहित्य के प्रख्यात साहित्यकार श रघुवीर सहाय की जयंती के अवसर पर साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक यांत्रिक इंजीनियर एवं अध्यक्ष लोकल राजभाषा कार्यान्वयन समिति पवन कुमार सिंह ने की। समारोह में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ रघुवीर सहाय के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने आमंत्रित वक्ताओं को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में साहिबगंज से अभय कुमार, विजय कुमार भारती, पंकज प्रभा और अमन कुमार होली जमालपुर से प्रमोद कुमार; मुंगेर से विजय वर्तानिया पटना से विनय कुमार झा विमल ने सहाय जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। सहाय जी को हिंदी साहित्य के ऐसे अद्वितीय साहित्यकार पत्रकार व संवेदनशील कवि के रूप में रेखांकित किया जिनकी रचनाओं ने साहित्य को नई दृष्टि नई दिशा और सामाजिक चेतना का सशक्त स्वर प्रदान किया। उनकी कृतियां आज के सामाजिक सांस्कृतिक परिदृश्य में और भी अधिक प्रासंगिक प्रतीत होती हैं।मालदा मंडल द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। मंडल प्रशासन ने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

संत जेवियर स्कूल ए ने पांच विकेट से जीता मैच

संवाददाता

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूनार्मेंट के तहत बुधवार को संत जेवियर स्कूल बनाम पोखरिया पैंथर्स के बीच मैच खेला गया। पोखरिया पैंथर्स की टीम टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए16.3 ओवर में 124 रन बना कर ऑल आउट हो गई। कुणाल यादव ने 26, पीयूष यादव ने 29 व कुश कुमार ने 13 रन की पारी खेली। संत जेवियर स्कूल के गेंदबाज सूरज राज ने 4 व आदित्य यादव ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करते हुए 13.4 ओवर में 5 विकेट ले नुकसान पर 126 रन बना कर 5 विकेट से मैच

जीत लिया। आदित्य यादव ने 27, शांतनु ने 28, आदित्य यादव ने नाबाद 22 रन की पारी खेली। पोखरिया पैंथर्स के गेंदबाज सत्यम ने 3 व पीयूष ने 2 विकेट लिए। संत जेवियर के खिलाड़ी सूरज राज को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि एनआईएस कोच योगेश यादव ने सूरज को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व चंदन यादव एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया। टूनार्मेंट इंचार्ज अशफाक आलम ने बताया कि 11 दिसंबर को टूनार्मेंट का पहला सेमी फाइनल माही स्पोर्ट्स येलो बनाम संत जेवियर स्कूल बी के बीच मैच खेला जाएगा।

आलम के प्रयास से दिग्घी मोड़ से मालिन रिसौड मोड सड़क का होगा निर्माण

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सड़कों का जाल बिछाया जाएगा जो भी जर्जर सड़क है उसका निर्माण कराया जाएगा जो ग्रामीण सड़क है उन सड़क पर छोटे-बड़े वाहनों का आगमन ज्यादा हो रहा है। उक्त सड़क को अपग्रेड किया जाएगा उक्त जानकारी पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम ने देते हुए बताया कि उनके प्रयास से साहिबगंज जिला अंतर्गत दिग्घी मोड,मालीन गांव होते हुए रिसौड मोड तक जर्जर सड़क का निर्माण किया जाएगा इसे लेकर झारखंड कैबिनेट की ओर से यह सड़क ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग में हस्तांतरित कर दिया गया है मामले को लेकर विधायक निसात आलम ने कहा कि सड़क जर्जर होने की सूचना क्षेत्र भ्रमण के दौरान प्राप्त हुआ था जिसके बाद उक्त सड़क के निर्माण एवं चौड़ीकरण को लेकर पथ निर्माण विभाग को लिखा गया था जिसके बाद उक्त सड़क को ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग में हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूरी करते हुए झारखंड कैबिनेट से स्वीकृति प्रदान कर दिया गया है साथ ही भू अर्जन सहित उक्त सड़क के लिए 61 करोड़ 57 लाख 55 हार 800 रुपए की स्वीकृति भी प्रदान की गई है अब यह सड़क टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भू अर्जन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी उम्मीद है। अगले साल तक या सड़क का काम भी शुरू हो जाएगा।यहां उक्त सड़क से सभी छोटे-बड़े वाहनों का परिचालन बरहरवा बाजार एवं हाई स्कूल मोड की ओर न होकर रिसौड होते हुए पश्चिम बंगाल की ओर होगी जिससे यहां के व्यवसाई वर्ग के लोगों को काफी सुविधा होगा।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : डीसी

फिजियोथैरेपी वार्ड को एक सप्ताह के भीतर संचालित करने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति और जिला टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना मुख्यमंत्री अस्पताल प्रबंधन अनुसंरक्षण योजना आयुष्मान भारत योजनाक्ष की

प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने निम्न दिशा-निर्देश दिए उधवा सीएचसी को नए भवन में अविलंब शिफ्ट करने नए एम ओआइसी का प्रभार सौंपने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। सदर अस्पताल में ओपीडी संचालन को और अधिक सुचारू बनाने के साथ-साथ उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर के पूर्ण उपयोग पर बल दिया गया। फिजियोथैरेपी वार्ड को एक सप्ताह के भीतर संचालित करने का निर्देश दिया गया। एस एनसीयु वार्ड में बेड की संख्या बढ़ाने हेतु सिविल सर्जन को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। उपायुक्त ने सभी स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना के तहत सभी अस्पताल स्वच्छता, रोगी-सुविधा, बायो-मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन एवं सामुदायिक सहभागिता के मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करें।बैठक में सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान सभी प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।बैठक के अंत में उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी योजनाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

न्यूज IN ब्रीफ

जैप 9 का चुनाव मतगणना 14 दिसंबर को

साहिबगंज : झारखण्ड पुलिस एसोसिएशन की शाखा जैप 9 का चुनाव मतगणना आगामी 14 दिसंबर को होना है।इसके लिए 14 दिसंबर को वाहिनी में पदस्थापित पदाधिकारी, कम्पनी समादेशक,सैट प्रभारी को अपने स्तर से बल को देखते हुए मतदान में भाग लेने के लिए सूचना देने के लिए जेएसआरपी 9 के समन्वयक को पत्र लिखा गया ताकि चुनाव की प्रक्रिया शांतिपूर्ण सम्पन्न हो सके।

वाहन की चपेट में आने से दो लोग गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज/बरहरवा : थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहरवा पाकुड़ मुख्य पथ पर सड़क दुर्घटना में दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए मिली जानकारी के अनुसार पाकुड़ जिला निवासी अब्दुल रहीम को अंधरकोठा निवासी आलमगीर शेख मोटरसाइकिल से बरहरवा रेलवे स्टेशन छोड़ने जा रहे थे।इस दौरान महाराजपुर रेलवे क्रॉसिंग लिंक केबिन के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से दुर्घटनाग्रस्त होकर घायल हो गए।घटना कि सूचना मिलते ही बरहरवा थाना पुलिस मौके पर पहुँच दोनों घायलों को बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भिजवाया, जहाँ चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया।हालांकि इन दोनों सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में अचानक बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

पाइप लाइन लगाया गया

साहिबगंज/बरहरवा : मंगल दिवस के उपरांत कांग्रेस जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने अपने सहयोगियों के साथ बरहरवा नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार से मुलाकात कर नगर के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया था जिसके फलस्वरुप नगर पंचायत के पदाधिकारियों द्वारा बुधवार को वार्ड संख्या 03 के हरिजन पाड़ा मे पप्पू दुबे के घर के पास से हनुमान मंदिर होते हुए अर्जुन रविदास के घर तक पाइप लाइन लगाया गया जिसमें मुख्य रूप से निताय सरकार उपस्थित रह कर सभी पाइपों और नलों को सही तरीके से लगवाया तथा 100 फिट पाइप कम होने कि नाराजगी जताई इस पर विधायक प्रतिनिधि ने स्थल का जायजा लेते हुए नगर पंचायत के पदाधिकारियों से फोन पर वातार्लाप कर बचे बाकी जगहों पर भी पाइप लाइन लगवाने को कहा इससे वार्डवासियो मे खुशी का माहौल बन गया साथ ही सभी ने जिलाध्यक्ष बरकत खान को धन्यवाद दिया।मौके पर सूरज रविदास रवि कुमार,विक्रम रविदास, मानिक रविदास,अर्जुन रविदास,सहित अन्य स्थानीय लोग मौजूद थे

सभी अपराध नियंत्रण के लिए पूरी तरह सतर्क रहें : एसडीपीओ

साहिबगंज : अनुमंडलीय कार्यालय स्थित एसडीपीओ कक्ष में बुधवार को मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी हुई।अध्यक्षता सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने की। इस दौरान एसडीपीओ ने थाना प्रभारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी अपराध नियंत्रण के लिए पूरी तरह सतर्क रहें।किसी भी हाल में कोताही ना बरतें।एसडीपीओ ने ठंड में बदमाशों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारी करने नशा उत्पादों पर रोक लगाने व रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करने हर गली-मोहल्लों में पेट्रोलिंग करने लंबित कांडों का जल्द अनुसंधान कर निष्पादन करने लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने व लोगों से बेहतर तालमेल बनाने व सूचना तंत्र मजबूत करने का निर्देश दिया।मौके पर नगर पुलिस निरीक्षक अमित कुमार गुप्ता,जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह,मिजाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव,मुफ्फसिल थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडे,बोरियो थाना प्रभारी,एससी-एसटी थाना प्रभारी व अन्य मौजूद थे।

अपराधी पुलिस के सामने किसी भी षड्यंत्र को सफल नहीं कर सकता है : चेतन भरतीया

साहिबगंज : जिला चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री की बैठक अध्यक्ष-चेतन भारतीया की अध्यक्षता में की गई। जिसमें फल व्यवसाई विश्वनाथ हत्याकांड का उद्भेदन करने व हत्यारे को अति शीघ्र गिरफ्तार करने के लिए साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक और टीम में शामिल सभी पुलिस उपाधीक्षक इंस्पेक्टर,विभिन्न थाना के थाना प्रभारी समेत पुरी पुलिस टीम को साहिबगंज जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स और इंडस्ट्री आभार प्रकट करती है और पुलिस को उनकी तत्परता के लिए धन्यवाद देती है।सचिव जय प्रकाश सिन्हा ने कहा की यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया कि अपराधी पुलिस के सामने किसी भी षड्यंत्र को सफल नहीं कर सकता है।बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष चेतन भरतीया,उपाध्यक्ष राजेश चिरानिया,सचिव-जय प्रकाश सिहां,सहसचिव रमेश तिवारी, कोषाध्यक्ष अवधेश कुमार,सूरज शर्मा, रतन शाह,चंद्रभान शर्मा,मोनि श्रॉफ, पप्पन,राजेश कुमार शाहिद सभी सदस्य उपस्थित थे!

विजय दिवस पर दर्शकों को मिलेगा 'बॉर्डर 2' का टीजर

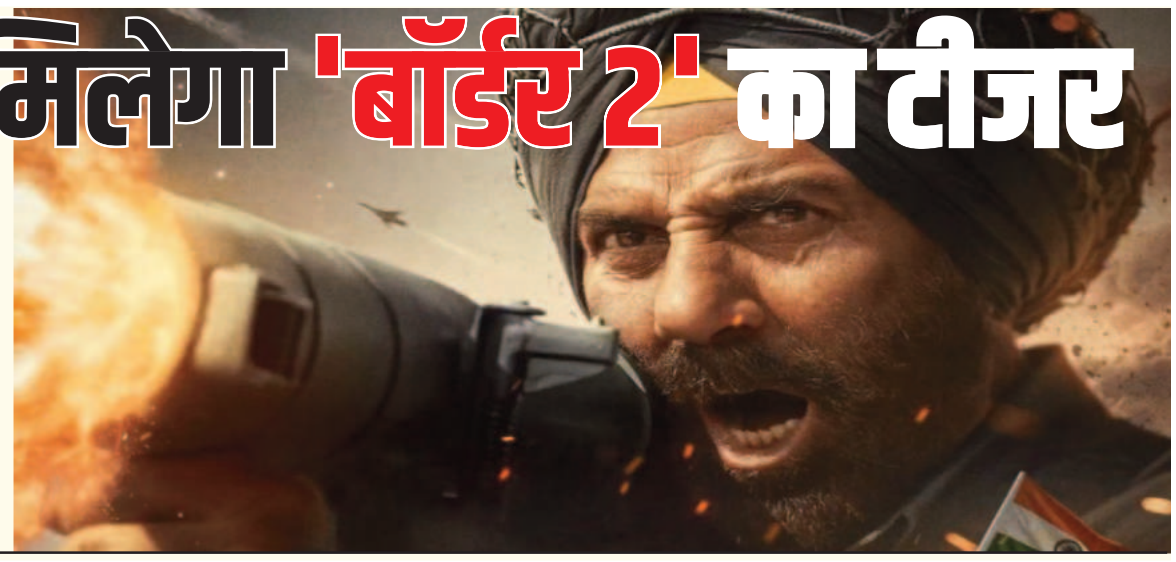

गदर 2' और 'जाट' की शानदार सफलता के बाद अब सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर 2' सुर्खियों के केंद्र में है। इस बार फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं, जिसने दर्शकों की उम्मीदों को और बढ़ा दिया है। हाल ही में निर्माताओं ने सभी मुख्य कलाकारों की पहली झलक जारी की, जिसके बाद प्रशंसकों का उत्साह और भी तेजी से बढ़ गया है। इसी बीच फिल्म के टीज़र रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है, हालांकि सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की हो रही है कि क्या सनी देओल टीज़र लॉन्च कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे या नहीं।

16 दिसंबर को रिलीज होगा 'बॉर्डर 2' का टीज़र

रिपोर्ट के मुताबिक 'बॉर्डर 2' का टीज़र विजय दिवस 16 दिसंबर 2025 को एक भव्य कार्यक्रम में लॉन्च किया जाएगा। यह इवेंट मुंबई में आयोजित होगा। पहले टीज़र लॉन्च अमृतसर में होना था, लेकिन कुछ कारणों के चलते इसे टाल दिया गया। कार्यक्रम में निर्देशक अनुराग सिंह, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी की मौजूदगी तय मानी जा रही है। इसके साथ ही सोनम बाजवा, मोना सिंह और मेधा राणा भी कार्यक्रम में नजर आ सकती हैं।

सनी देओल की मौजूदगी पर सस्पेंस

टीज़र लॉन्च की खबर ने फैंस को रोमांचित कर दिया है, लेकिन सनी देओल की मौजूदगी को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। हाल ही में 24 नवंबर को उनके पिता धर्मेंद्र के निधन के बाद सनी किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखाई नहीं दिए हैं। हालांकि रिपोर्ट्स का कहना है कि टीम को उम्मीद है कि सनी इस महत्वपूर्ण लॉन्च इवेंट में जरूर शामिल होंगे। फैंस अब 16 दिसंबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि 'बॉर्डर 2' का टीज़र आने के साथ ही फिल्म का माहौल और भी गर्म होने वाला है।

'वी शांताराम' में तमन्ना भाटिया की पहली झलक ने बढ़ाई उत्सुकता

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी इन दिनों अपनी नई फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं, जो भारतीय सिनेमा के दिग्गज फिल्मकार 'वी. शांताराम' की जिंदगी पर आधारित बायोपिक है। हाल ही में सिद्धांत की धोती-कुर्ता लुक वाली पहली झलक सामने आई थी, जिसके बाद अब फिल्म से अभिनेत्री तमन्ना भाटिया का फर्स्ट लुक भी जारी कर दिया गया है। यह बायोपिक अभिजीत शिरीष देशपांडे द्वारा निर्देशित की जा रही है।

तमन्ना निभा रही हैं जयश्री का किरदार

वैरायटी की रिपोर्ट के अनुसार तमन्ना भाटिया इस बायोपिक में जयश्री की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म से जारी उनके पहले पोस्टर में वह गुलाबी नौवारी साड़ी पहने नजर आती हैं, जो एकदम भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम दौर की याद दिलाता है। तमन्ना का यह पारंपरिक लुक बेहद खूबसूरत, सौम्य और प्रभावशाली दिखाई दे रहा है। फैंस अब उनके इस नए अवतार को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं। जयश्री, वी. शांताराम की दूसरी पत्नी थीं और हिंदी सिनेमा की एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री के तौर पर जानी जाती हैं। उन्होंने डॉ. कोटनीस की अमर कहानी, दहेज, शकुंतला, चंद्र राव मोरे जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से खास पहचान बनाई। शांताराम के फिल्मी सफर में जयश्री की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है, और बायोपिक में उनकी मौजूदगी कहानी की भावनात्मक और रचनात्मक गहराई को और बढ़ाती है। फिल्म की कहानी और पटकथा दोनों का लेखन भी अभिजीत शिरीष देशपांडे ने ही किया है। हालांकि इसकी रिलीज डेट अभी घोषित नहीं की गई है, लेकिन सिद्धांत और तमन्ना के लुक्स ने फिल्म के प्रति उत्सुकता को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है।

बॉक्स ऑफिस पर गूंजा 'धुरंधर' का दबदबा

अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित जासूसी एक्शन-थ्रिलर 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर जोरदार धमाका कर चुकी है। 5 दिसंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने महज पांच दिनों में कमाई के नए कीर्तिमान स्थापित कर दिए हैं। दर्शक फिल्म के शानदार निर्देशन, दमदार स्क्रीनप्ले और रणवीर के पावरफुल परफॉर्मेंस की खूब सराहना कर रहे हैं। वीकडेज़ में भी 'धुरंधर' का जबरदस्त क्रेज बना हुआ है, जिससे इसकी कमाई लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं दूसरी ओर कृति सैनन की 'तेरे इश्क में' कारोबारी दिनों में थोड़ी सुस्त नजर आने लगी है।

5वें दिन 'धुरंधर' की धमाकेदार कमाई

सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, 'धुरंधर' ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को 26.50 करोड़ रुपये की बेहतरीन कमाई की। यह सोमवार के कलेक्शन (23.25 करोड़ रुपये) से भी ज्यादा है। अब तक भारत में फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 152.75 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी 'धुरंधर' की कमाई का तूफान जारी है और पांच दिनों में फिल्म ने लगभग 225 करोड़ रुपये का ग्लोबल कलेक्शन कर लिया है। इसका निर्देशन और लेखन आदित्य धर ने किया है।

'तेरे इश्क में' की धीमी रफ्तार

उधर, धनुष और कृति सैनन स्टारर 'तेरे इश्क में' ने 12 दिन पूरे कर लिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 11वें दिन 2.4 करोड़ रुपये और 12वें दिन 2.85 करोड़ रुपये की कमाई की। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म ने भारत में कुल 105.25 करोड़ रुपये और दुनियाभर में 145.38 करोड़ रुपये का संग्रह कर लिया है। दोनों फिल्मों की तुलना में जहां 'धुरंधर' तेजी से आगे निकलती दिख रही है, वहीं 'तेरे इश्क में' स्थिर लेकिन धीमी रफ्तार से कमाई जारी रखे हुए है।

नई फिल्म के साथ लौट रहे हैं रेमो डिसूज़ा, किया ऐलान

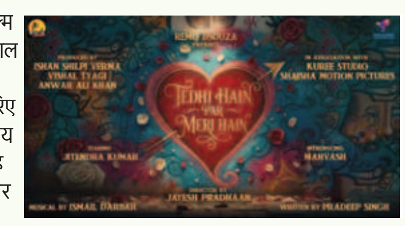

मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक रेमो डिसूज़ा ने अपनी नई फिल्म 'टेढ़ी है पर मेरी है' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसका टीज़र वीडियो जारी करते हुए फिल्म की स्टारकास्ट से पर्दा उठाया। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए रेमो ने आरजे महवश को बड़ा ब्रेक दिया है, वही महवश, जो भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की कथित गर्लफ्रेंड को लेकर सुर्खियों में रह चुकी हैं। फिल्म के टीज़र में अभिनेता जितेंद्र कुमार की वॉयस ओवर सुनाई देती है, जो फिल्म में गुलाब हकीम का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, महवश को नगमा के रूप में पेश किया गया है। रेमो ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, ₹गुलाब और नगमा की मोहब्बत एक ऐसी मोहब्बत जिसकी जान कम है, लेकिन जुनून ज्यादा है। गुलाब में मोहब्बत का कीड़ा है और नगमा में कुदरत का फिल्म का निर्देशन जयेश प्रधान ने किया है, और टीज़र देखकर साफ है कि कहानी एक अनोखी, टेढ़ी-मेढ़ी लेकिन दिल को छू लेने वाली प्रेम कथा पर आधारित होगी।

'राहु केतु' का पहला धमाकेदार गाना 'मदिरा' रिलीज

ईयर पार्टी सीजन को और जोश से भरने आ गया है 'राहु केतु' का पहला गाना 'मदिरा' रिलीज होते ही ट्रेंड करने लगा है। ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शन्स ने लंबे इंतज़ार और जबरदस्त बज़ के बाद फिल्म का टीज़र जारी किया, जिसमें इसकी मजेदार, कॉस्मिक और पूरी तरह हटकर दुनिया की झलक दिखाई गई है। टीज़र के तुरंत बाद रिलीज हुआ गाना 'मदिरा', जिसे देखकर साफ है कि यह इस साल की हर पार्टी का नया एंथम बनने जा रहा है। गाने में शालिनी पांडे अपनी बोल्ड, ग्लैमरस और पहले कभी न देखी गई स्टाइलिश पर्सनैलिटी के साथ सबकी निगाहें खींच लेती हैं। उनके एनर्जेटिक और स्मूद डांस मूव्स गाने की वाइब को और भी हाई-ऑक्टेन बना देते हैं। वहीं पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा अपनी मजेदार केमिस्ट्री, शार्प कोरियोग्राफी और बिंदास अंदाज़ से इस पार्टी नंबर को पूरी तरह धमाल बना देते हैं। 'मदिरा' को विक्रम मॉन्ट्रोज़ ने कंपोज़ किया है। इसे सिमर कौर, अभिनव शेखर और विक्रम मॉन्ट्रोज़ ने अपनी आवाज़ दी है, जबकि इसके बोल भी अभिनव शेखर ने लिखे हैं। इस ट्रैक के बारे में विक्रम मॉन्ट्रोज़ का कहना है कि उन्होंने ऐसा गाना तैयार किया है जो 'राहु केतु' की मस्ती, पागलपंती और बिंदास ऊर्जा को एकदम सही तरीके से कैप्चर करता है, ₹बस मूड में आओ और पल को जी लो। विपुल गर्ग के निर्देशन में बनी 'राहु केतु' को ज़ी स्टूडियोज़ पेश कर रहा है और इसका निर्माण ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शन्स ने किया है। फिल्म 'राहु केतु' 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिर गूंजेगा 'ऑल इज वेल', '3 इडियट्स' के सीक्वल की तैयारी शुरू

राजकुमार हिरानी की प्रतिष्ठित फिल्म '3 इडियट्स' ने 2009 में रिलीज होकर दर्शकों के दिलों पर जो जादू चलाया था, वह आज भी कायम है। रैंचो, राजू और फरहान की दोस्ती, उनकी मासूमियत, बगावती सोच और यादगार गाने सबने इस फिल्म को एक कल्ट क्लासिक बना दिया। अब 16 साल बाद इस सुपरहिट फिल्म के सीक्वल को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, '3 इडियट्स 2' की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और मेकर्स इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सूत्रों के अनुसार सीक्वल में आमिर खान, शरमन जोशी और आर. माधवन की दमदार तिकड़ी एक बार फिर अपने किरदारों, रैंचो, राजू और फरहान के साथ वापसी करेगी। उनके साथ करीना कपूर भी दोबारा पिया के रूप में नजर आएंगी। टीम का मानना है कि स्क्रिप्ट में फिर वही मज़ा, भावनाएं और खूबसूरत संदेश है जो पहली फिल्म की पहचान थे। फिल्म की शूटिंग 2026 की दूसरी छमाही में शुरू होने की योजना है, और मेकर्स इस सफर को लेकर बेहद उत्साहित हैं। कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी जहां पहली फिल्म खत्म हुई थी, करीब 15 साल बाद, जब ये तीनों दोस्त एक नए रोमांच के लिए फिर मिलेंगे। इस बार कहानी में उनके बचपन की झलक, नई कॉमेडी और पुरानी यादों का संगम देखने को मिलेगा। दिलचस्प बात यह है कि इस सीक्वल में राजकुमार हिरानी के साथ विधु विनोद चोपड़ा भी निर्देशक के तौर पर जुड़ रहे हैं।

'वध 2' का नया पोस्टर आया सामने, 6 फरवरी को होगी रिलीज

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की दमदार जोड़ी एक बार फिर पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार है। 'वध 2', जिसे जसपाल सिंह संधू ने लिखा और निर्देशित किया है, वर्ष 2026 की सबसे चर्चित और प्रतीक्षित फिल्मों में तेजी से अपनी जगह बना रही है। लव रंजन और अंकुर गर्ग की लव फिल्म्स के बैनर तले बनी यह स्पिरिचुअल सीक्वल, पहली फिल्म वध की भावनात्मक गहराई को बरकरार रखते हुए एक बिल्कुल नई कहानी और नए किरदारों के साथ दर्शकों के सामने आ रही है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ₹कभी-कभी जो दिखता है, वही पूरी सच्चाई नहीं होता! 'वध 2' सिनेमाघरों में 6 फरवरी 2026 से। फिल्म की रिलीज में अब दो महीने से भी कम समय रह गया है और इसी बीच जारी किए गए ताजा पोस्टर्स ने दर्शकों की उत्सुकता को कई गुना बढ़ा दिया है। संजय मिश्रा और नीना गुप्ता को बेहद नए और प्रभावशाली अवतारों में दिखाते ये पोस्टर्स फिल्म के तीखे सस्पेंस और दमदार एटमॉस्फियर की झलक पहले ही दे रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि 'वध 2' के ये नए पोस्टर्स मंगलवार को रिलीज किए गए, ठीक तीन साल बाद उसी तारीख को जब पहली वध सिनेमाघरों में आई थी। इस खूबसूरत संयोग ने फ्रेंचाइज़ी के फैंस के लिए इसे एक यादगार पल में बदल दिया है। 56वें आईएफएफआई 2025 में फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद से ही वध 2 को अद्भुत प्रतिक्रिया मिल रही है।

धर्मेंद्र के लिए ईशा देओल का भावुक पोस्ट

बॉलीवुड के 'ही-मैन' कहलाने वाले दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 24 नवंबर को 89 साल की उम्र में निधन हो गया था। अपने 90वें जन्मदिन से महज कुछ हफ्ते पहले उनका इस दुनिया से यूं चले जाना फिल्म इंडस्ट्री और करोड़ों प्रशंसकों के लिए किसी गहरे सदमे से कम नहीं था। आज भी लोग इस बात को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं कि हिंदी सिनेमा के इस चमकते सितारे ने उन्हें हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। धर्मेंद्र के जन्मदिन के अवसर पर 8 दिसंबर को बेटी ईशा देओल ने अपने पिता के नाम एक बेहद भावुक संदेश शेयर किया, जिसने सभी को भावुक कर दिया।
ईशा देओल ने पिता को याद करते हुए जो लिखा, वह उनके मजबूत रिश्ते और अटूट बंधन को बखूबी दर्शाता है। ईशा ने लिखा, ₹मेरे प्यारे पापा के लिए हमारा रिश्ता, हमारा समझौता, सबसे मजबूत बंधन। 'हम' पूरी जिंदगी, सभी लोकों में और उससे भी परे एक साथ रहेंगे। चाहे स्वर्ग हो या धरती, हम अलग नहीं हैं पापा। अभी के लिए मैंने आपको अपने दिल में बहुत कोमलता और प्यार से सहेज लिया है। आपने मुझे अपनी बेटी के रूप में जो दिया है, उसे कोई और कभी बदल नहीं सकता। इसके आगे ईशा ने अपने पिता के चाहने वालों के लिए एक खूबसूरत वादा भी किया। उन्होंने लिखा, ₹मैं आपका प्यार उन लाखों प्रशंसकों तक पहुंचाने की पूरी कोशिश करूंगी, जो आपको उतना ही चाहते हैं जितना मैं। आई लव यू पापा आपकी बेटी, आपकी ईशा, आपकी बिट्टू। गौरतलब है कि धर्मेंद्र लंबे समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे और इसी वजह से उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 24 नवंबर की सुबह उन्होंने जुहू स्थित अपने घर पर अंतिम सांस ली। उनके निधन से बॉलीवुड में शोक की लहर दौड़ गई थी।

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप के लिए घोषित की टीम, ओलिवर पीक होंगे कप्तान

मेलबर्न : विक्टोरिया के युवा बल्लेबाज ओलिवर पीक अगले महीने होने वाले आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे। बाएं हाथ के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने शैफील्ड शील्ड में अपने प्रदर्शन से पहले ही पहचान बना ली है। 19 वर्षीय पीक दूसरी बार इस टूनार्मेंट में हिस्सा ले रहे हैं। वे 2024 में दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीतने वाली टीम के सबसे युवा सदस्य थे, जब उन्हें पहले मैच के बाद चोटिल कोरी वास्ली की जगह स्क्वॉड में शामिल किया गया था। इस बार अंडर-19 विश्व कप अफ्रीकी

महाद्वीप में नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया को शुरूआती चरण में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ समूहबद्ध किया गया है। टूनार्मेंट में 16 टीमें भाग लेंगी, जिनमें से प्रत्येक समूह की शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स चरण में पहुंचेंगी, जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे।

तीन नए खिलाड़ियों को जगह

ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में सितंबर-अक्टूबर में खेले गए भारत के खिलाफ तीन युवा वनडे और दो युवा टेस्ट मैचों की टीम का अधिकांश हिस्सा बरकरार रखा गया है। नितेश सैमुअल, नादेन कुरे और विलियम टेलर-ये तीन नए चेहरे हाल ही में पर्थ में आयोजित अंडर-19 मेन्स नेशनल चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन के कारण चुने गए। सैमुअल ने इस आठ दिवसीय टूनार्मेंट में 364 रन बनाकर 91 की औसत से सर्वाधिक रन जुटाए और प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट चुने गए। उन्हें और कुरे को टूनार्मेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम में भी शामिल किया गया। टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन होंगे, जबकि ल्यूक बटरवर्थ और ट्रैविस डीन सहायक कोच की भूमिका निभाएंगे। नीलसन ने कहा, ह्नहमने एक संतुलित और मजबूत टीम चुनी है जिसमें सभी खिलाड़ियों की कौशल क्षमता एक-दूसरे को पूरा करती है। यह टीम भारत दौरे और हालिया राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर चुनी गई है। कप्तान ओलिवर पीक पिछले सीजन बिग बैश में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए डेब्यू कर चुके हैं और विक्टोरिया के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट भी खेल चुके हैं। वे इस वर्ष ऑस्ट्रेलिया ए और प्राइम मिनिस्टर इलेवन के लिए भी शानदार पारियां खेल चुके हैं।

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के विल मलाज्चुक भी सीनियर टीम के करीब हैं और एशेज के पहले टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ समय बिताने का मौका पा चुके हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय विकास प्रमुख सोन्या थॉम्पसन ने कहा कि यह टीम अनुभव और नई ऊर्जा का मिश्रण है और तीन नए खिलाड़ी दल में गहराई जोड़ेंगे।

ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम

ओलिवर पीक (कप्तान), केसी बार्टन, नादेन कुरे, जेयडेन ड्रेपर, स्टीवन होगन, थॉमस होगन, बेन गॉर्डन, जॉन जेम्स, चार्ल्स लैकमुंड, एलेक्स ली-यंग, विल मलाज्चुक, नितेश सैमुअल, हेडन शिलर, आर्यन शर्मा, विलियम टेलर।

मुख्यमंत्री से प्रत्यक्ष संवाद के बाद पश्चिम मेदिनीपुर में 620 सड़कों का अनुमोदन

एजेंसी

मेदिनीपुर : सरासरी मुख्यमन्त्री (सीधे मुख्यमंत्री से संवाद) कार्यक्रम के अंतर्गत नागरिकों द्वारा किए गए दूरभाषझआह्वानों के परिणामस्वरूप पश्चिम मेदिनीपुर जिले में 620 नवीन सड़कों के निर्माण का अनुमोदन प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही जिले में पथश्री योजना के चतुर्थ चरण के अंतर्गत व्यापक सड़कझविकास कार्य प्रारम्भ होने जा रहे हैं। जिला प्रशासन के अनुसार इन सभी सड़कों का शिलान्यास मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक ही दिवस में करेंगी। तिथि अभी निर्धारित नहीं की गई है। जिला परिषद के पूर्णकार्याध्यक्ष निर्मल घोष ने बताया कि नागरिकों ने ह्यसरासरी मुख्यमन्त्रीॠ में प्रत्यक्ष संपर्क कर जिन सड़कों की मांग की थी, उन्हें ही स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा–

ह्लसभी मार्गझपरियोजनाओं के लिए धनराशि स्वीकृत हो चुकी है। अधिकांश मार्गों का निविदाझप्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा शेष प्रक्रियाधीन हैं। सम्पूर्ण जिले में इन सभी सड़कों का शिलान्यास मुख्यमंत्री द्वारा ही किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार पथश्रीझचतुर्थ चरण के अंतर्गत सड़कझनिर्माण तीन स्तरों पर किया जाएगा– खंड (ब्लॉक) स्तर पर : 274 सड़कें

जिला परिषद के अधीन : 164 सड़कें

डब्ल्यू.बी.एस.आर.डी.ए. के अधीन : 182 सड़कें

इस प्रकार कुल 620 मार्गझपरियोजनाओं को अनुमोदन प्राप्त हुआ है। जिला परिषद के अनुसार 164 में से 143 सड़कें वह स्वयं निर्मित करेगी, जबकि 182 में से 134 सड़कें डब्ल्यू.बी.एस.आर.डी.ए. द्वारा निर्मित की जाएंगी। संपूर्ण जिले में लगभग 450 किलोमीटर सड़क निर्माण होने का अनुमान है। सबसे अधिक स्वीकृति घाटाल खंड के लिए प्राप्त हुई है, जहां खंड स्तर पर 33 सड़कों को अनुमोदन मिला है। यह क्षेत्र बारहमासी बाढ़झप्रभावित होने के कारण यहां से सर्वाधिक आवेदन आए थे। वहीं तीनों स्तरों को सम्मिलित कर केशपुर खंड में 66 मार्गझपरियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं, जो जिले में सर्वाधिक हैं।

दासपुर-द्वितीय खंड के जिला परिषद सदस्य तथा तृणमूल कांग्रेस के पदाधिकारी सौमित्र सिंहराय ने कहा कि जिले में एक साथ इतने बड़े पैमाने पर मार्गझनिर्माण की स्वीकृति पूर्व में कभी प्राप्त नहीं हुई। इसी प्रकार घाटाल पंचायत समिति के उपाध्यक्ष विकास कर ने बताया कि 33 स्वीकृत सड़कों की निविदाझप्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है, तथा इनसे बाढ़झग्रस्त क्षेत्रों की जीर्णझशीर्ण सड़कों का पुनर्निर्माण होगा। इससे आम लोगों की दीर्घकालिक समस्याओं में पर्याप्त कमी आने की संभावना है। जिला तृणमूल सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री दिसंबर माह में इन सभी परियोजनाओं का शिलान्यास कर सकती हैं।

छत्तीसगढ़ के चार संभागों के कई हिस्से शीतलहर की चपेट में

एजेंसी

रायपुर : राजधानी रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के चार संभागों के कई हिस्से शीतलहर की चपेट में हैं। रायपुर के माना एयरपोर्ट में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। वहीं प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान अम्बिकापुर में 5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बिलासपुर, मुंगेली, कबीरधाम, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, बालोद आदि जगहों में सीट लहर की चेतावनी जारी दी है। 7 शहरों में तापमान 10त्ज से नीचे पहुंच गया है, जिनमें मैनपाट, अंबिकापुर, पेंड्रा और जगदलपुर, बिलासपुर, दुर्ग और राजनांदगांव शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार रायपुर के माना में न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री, बिलासपुर में 9.8 डिग्री, पेंड्रारोड में 8.6 डिग्री, अम्बिकापुर में 5 डिग्री, जगदलपुर में 9.1 डिग्री, दुर्ग में 9 डिग्री और राजनांदगांव में 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. वहीं रायपुर में अधिकतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस, माना में 28.5 डिग्री, बिलासपुर में 27.4 डिग्री, पेंड्रारोड में 25.6 डिग्री, अम्बिकापुर में 25.3 डिग्री, जगदलपुर में 29.4 डिग्री, राजनांदगांव में 28.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।सुबह के समय घने कोहरे और ठंडी हवाओं के कारण आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में अगले दो दिनों तक तापमान और नीचे जा सकता है। विशेषकर सुबह और देर शाम के समय सर्द हवाएँ तेज रफ्तार से चलने की संभावना है, जिससे शीतलहर की स्थिति और गंभीर होने की आशंका है।

मुख्यमंत्री साय आज बस्तर और सक्ती जिले के दौरे पर

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज गुरुवार को बस्तर और सक्ती जिले के दौरे पर परहेंगे। वे यहां कई महत्वपूर्ण आयोजनों में शामिल होंगे। सबसे पहले मुख्यमंत्री रायपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा जगदलपुर के लिए उड़ान भरेंगे। यहां माँ दंतेश्वरी एयरपोर्ट, जगदलपुर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री सीधे इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम रवाना होंगे। इसके बाद वे ह्यबस्तर ओलंपिक 2025ॠ के भव्य उद्घाटन समारोह में वे शामिल होंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री 3 बजे रायपुर से सक्ती जिले के लिए रवाना होंगे। ग्राम हसौद में मुख्यमंत्री ह्य251 कुंडीय गायत्री महायज्ञॠ में शामिल होकर आशीर्वाद ग्रहण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री साय रायपुर लौटेंगे, जहां उनका शेष समय मुख्यमंत्री निवास में आरक्षित रहेगा।

रायपुर : उद्योग मंत्री देवांगन आज ऑक्सी जोन का करेंगे लोकार्पण

एजेंसी

रायपुर : प्रदेश के वाणिज्य उद्योग, श्रम ,आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखन लाल देवांगन आज गुरुवार को ऑक्सी जोन का लोकार्पण करेंगे, इसके साथ ही डोर टू डोर गार्बेज कलेक्शन हेतु 80 नग ई रिक्शा का वितरण भी किया जायेगा।आज नगर पालिक निगम कोरबा के भंडार गृह में अपरान्ह 3:00 बजे ई रिक्शा वितरण कार्यक्रम रखा गया है वहीं पौड़ीबहार उद्यान में शाम 4:00 बजे लोकार्पण , भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। नगर पालिक निगम कोरबा के द्वारा ड़ोर टू डोर अपशिष्ट संग्रहण कार्य हेतु 80 नग ई रिक्शा निगम के सफाई बेड़े में शामिल किए गए हैं। गुरुवार 11 दिसंबर को उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन इन सभी ई रिक्शा को स्वच्छता दीदियों को सफाई व्यवस्था कार्य हेतु वितरण करेंगे।

इसी प्रकार नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के अंतर्गत पोडिबहार उद्यान में ऑक्सी रिच जोन का निर्माण 01 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से कराया गया है जिसका लोकार्पण भी उद्योग मंत्री भी लखन लाल देवांगन करेंगे।

मतदाता सूची के विशेष सघन संशोधन फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख आज

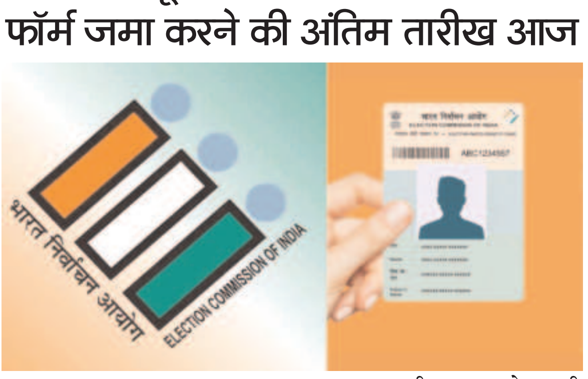

एजेंसी

चेन्नई : तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, असम और पुदुचेरी सहित 9 राज्यों में चुनाव आयोग मतदाता सूची के विशेष सघन संशोधन (एसआईआर) का आयोजन कर रहा है। शुरू में इसे 4 दिसंबर तक पूरा किया जाना था लेकिन बाद में इसकी समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाई गई। इसके अनुसार, आज मतदाता सूची के विशेष सघन संशोधन (एसआईआर) फॉर्म भरकर जमा करने की अंतिम तारीख है। तमिलनाडु मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर्चना पटनायक की तरफ से जारी जानकारी के मुताबिक 9 दिसंबर तक 6,40,84,624 फॉर्म (99.95 प्रतिशत) मतदाताओं को वितरित किए जा चुके हैं, जिनमें से 6,38,25,877 फॉर्म अर्थात 99.55 प्रतिशत अपलोड किए जा चुके हैं। तमिलनाडु के कुल 6 करोड़ 41 लाख मतदाताओं में से 99.99% फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। यानी केवल 4,201 लोगों को ही फॉर्म नहीं पहुंचा।वितरित किए गए फॉर्म में से 99.95% को कंप्यूटराइज किया गया है। यानी केवल 26,967 लोगों ने फॉर्म वापस नहीं किया।

सुलतानपुर में अनियंत्रित टैंकर ने छह गाड़ियां रौंदी, खलासी की मौत, 11 घायल

एजेंसी

सुलतानपुर : उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में लखनऊ-वाराणसी हाइवे पर बेदूपारा के पास बुधवार रात एक अनियंत्रित टैंकर ने लगभग छह वाहनों को टक्कर मारी थी। इसमें 12 लोग घायल हुए थे। 12 घंटे बाद गुरुवार सुबह एक टैंकर खलासी का शव टैंकर के नीचे से बरामद किया गया। शव को निकालने के लिए जेसीबी की मदद से टैंकर को हटाया गया। लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के बेदूपारा बाईपास के पास बुधवार शाम एक अनियंत्रित टैंकर ने पहले एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारी। टैंकर मोटरसाइकिल को लगभग 500 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया और फिर एक टेंपो से टकराया, जिसमें तीन से चार लोग सवार थे। इसके बाद, लगभग एक किलोमीटर आगे बेदूपारा शिव मंदिर के पास टैंकर ने एक स्कॉर्पियो डिजायर और दो अन्य मोटरसाइकिलों को टक्कर मारी। टक्कर मारने के बाद टैंकर सड़क किनारे अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटनास्थल पर तुरंत भीड़ जमा हो गई, और लोगों ने टैंकर चालक को पीटने का प्रयास किया, जो वाहन में फंसा हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। इस हादसे में कुल 12 लोग घायल हुए। इनमें चांदा कोतवाली के कोथरा निवासी हीरामती (50), रवि (26), अरुण (21), सराय जुझार (चांदा) निवासी प्रतीक तिवारी (27) व अनुभव तिवारी (21), चांदा निवासी सुशील (28), वाराणसी के पतेर निवासी सुखराम (40), भेलूपुर, वाराणसी निवासी विपिन मौर्य (35), अरौला, प्रतापगढ़ निवासी रोशन सिंह (32), सौरभ (25) और चितावनपुर, चांदा निवासी अजय दुबे (35) शामिल हैं। सभी घायलों को राहगीरों की मदद से स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सुशील, विपिन मौर्य, रोशन सिंह, सौरभ, सुखराम और अरुण सहित छह लोगों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

मध्य प्रदेश से आ रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो ट्रैक्टर ट्राली से टकराई, तीन की मौत

अयोध्या : उत्तर प्रदेश अयोध्या जिले में थाना पूराकलंदर के कल्याण भदरसा गांव के पास प्रयागराज हाईवे पर अयोध्या दर्शन के लिए आ रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो गाड़ी ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गयी और 11 श्रद्धालु घायल हो गए हैं। सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।घटना गुरुवार की भोर में लगभग 5 बजे के आसपास की है। सूचना मिलने पर मौके पर थाना पूराकलंदर की पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया और दोनों वाहनों को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। सभी श्रद्धालु मध्य प्रदेश के रीवा से अयोध्या रामलला का दर्शन करने आ रहे थे। हादसे की जानकारी होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने जनपद अयोध्या में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया है और मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए है। साथ ही मुख्यमंत्री ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए।

लाल निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 153 अंक टूटा

एजेंसी

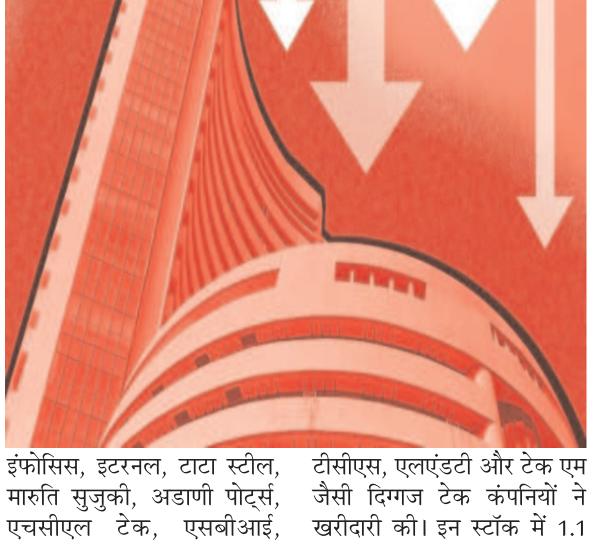

नई दिल्ली : हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर बाजार लाल निशन पर खुला। शुरूआती कारोबार में उतार-चढ़ाव दिख रहा है, अमेरिकी फेडरल रिजर्व का 25 बेसिस प्वाइंट की ब्याज दर कटौती का सीधा असर भारतीय बाजार पर नहीं दिखा है। फिलहाल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक?स 152.62 अंक यानी 0.18 फीसदी टूटकर 84,238.66 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा हूं। वहीं, नेशनल स्टॉक एक?सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 55.55 अंक यानी 0.22 फीसदी गिरकर 25,702.45 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के प्रमुख कंपनियों में इंफोसिस, इटरनल, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, अडाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, एसबीआई, टीसीएस, एलएंडटी और टेक एम जैसी दिग्गज टेक कंपनियों ने खरीदारी की। इन स्टॉक में 1.1 फीसदी तक की बढ़त दर्ज हुई है। टाइटन, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक शुरूआती कारोबार में दबाव में हैं। भारतीय मुद्रा रुपया शुरूआती कारोबार में 17 पैसे टूट कर 90.11 प्रति डॉलर पर आ गया है। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के कारण रुपये में गिरावट का रुख है। उल?लेखनीय है कि एक दिन पहले बीएसई का सेंसेक्स 275.01 अंक यानी 0.32 फीसदी टूटकर 84,391.27 के स?तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी भी 81.65 अंक यानी 0.32 फीसदी गिरकर 25,758 अंक पर बंद हुआ था।

विधि विभाग द्वारा राय मांगने पर हाईकोर्ट नाराज, कहा- सिर्फ राज्यपाल एवं राष्ट्रपति को अधिकार

जबलपुर : मप्र उच्च न्यायालय के जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस रामकुमार चौबे की डिवीजन बेंच ने विधि और विधायी कार्य विभाग के अंडर सेक्रेटरी आरके सिंह को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि किसी भी मामले में कोर्ट से राय मांगने का अधिकार भारत के संविधान ने सिर्फ राज्यपाल या राष्ट्रपति को दिया है। विधि और विधायी कार्य विभाग कोर्ट से यह नहीं पूछ सकता कि 'नोटरी के खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए'। इसके लिए वो लिखित में माफी मांगे। उल्लेखनीय है कि अनूपपुर जिले में हत्या के आरोप में निर्मल कुमार झा को 28 फरवरी 2023 को उम्रकैद की सजा थी। इस फैसले के खिलाफ निर्मल कुमार झा ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। 27 अक्टूबर 2025 को सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने कहा था कि अनूपपुर की जिला सत्र न्यायालय में ट्रायल के दौरान सरकारी वकील (एपीपी) जीपी अग्रवाल के कार्य पर टिप्पणी की थी। बेंच ने सरकारी वकील अग्रवाल खिलाफ के कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इस मामले पर 8 दिसंबर को हुई सुनवाई पर कोर्ट में यह खुलासा हुआ था कि विधि विभाग कोर्ट से पूछना चाह रहा कि नोटरी के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाए। इसको गंभीरता से लेते हुए बेंच ने विधि विभाग के संबंधित अधिकारी को हाजिर होकर जवाब पेश करने कहा था। बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान विधि और विधायी कार्य विभाग के अंडर सेक्रेटरी आरके सिंह, शासकीय अधिवक्ता मानस मणि वर्मा के साथ हाजिर हुए। अंडर सेक्रेटरी के रवैये पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्हें लिखित में माफी मांगने के निर्देश दिए।

न्यूज IN ब्रीफ

कश्मीर घाटी में गिरा पारा, पुलवामा और शोपियां रहे सबसे ठंडे

श्रीनगर : कश्मीर में लोगों को बीती रात में ज्यादा ठंड महसूस हुई क्योंकि घाटी के ज्यादातर इलाकों में पारा और गिर गया जबकि कई हिस्सों में हल्का कोहरा छाया रहा। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार को श्रीनगर में रात का तापमान पिछली रात से एक डिग्री गिरकर माइनस 2.9 डिग्री सेल्सियस रहा। उन्होंने बताया कि रात का तापमान इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.3 डिग्री कम था। दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड में तापमान माइनस 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो पिछली रात से 1.6 डिग्री कम है। उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा में तापमान माइनस 4.2 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग में तापमान माइनस 1.2 डिग्री सेल्सियस रहा। उन्होंने बताया कि अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर पहलगाम में तापमान एक डिग्री कम होकर माइनस 4.6 डिग्री सेल्सियस रहा।गुलमर्ग में तापमान 1.5 डिग्री बढ़कर जीरो डिग्री सेल्सियस रहा। पुलवामा और शोपियां शहर जम्मू और कश्मीर में सबसे ठंडे स्थान रहे जहाँ तापमान माइनस 5.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इस बीच जम्मू संभाग के जम्मू में न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री, बनिहाल में 2.4 डिग्री, बटोत में 5.7 डिग्री, कटरा में 9.5 डिग्री, भद्रवाह में 1.4 डिग्री, कठुआ में 7.2 डिग्री, जम्मू एयरपोर्ट पर 9.4 डिग्री, उधमपुर में 2.6 डिग्री, सांबा में 6.1 डिग्री, किश्तवाड़ में 4.9 डिग्री और डोडा में 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदू से कई डिग्री नीचे रहा। लेह में न्यूनतम तापमान माइनस 7.0 डिग्री, करगिल में माइनस 6.5 डिग्री नूबरा वैली में माइनस 5.8 डिग्री, द्रास में माइनस 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने कहा कि 12 दिसंबर तक मौसम आमतौर पर सूखा रहने की उम्मीद है और 13 से 15 दिसंबर तक उत्तर और मध्य कश्मीर के कुछ ऊँचे इलाकों में बहुत हल्की बर्फबारी की संभावना है। मौसम कार्यालय ने कहा कि आने वाले दिनों में घाटी में कई जगहों पर हल्का से मध्यम कोहरा रहने की संभावना है।

पुलिस टीम पर हमला करने वाला आरोपित मुठभेड़ में गोली लगने से घायल

हमीरपुर : उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के कुरारा थाना क्षेत्र में बुधवार की रात पुलिस ने मुठभेड़ में पुलिस टीम पर हमला करने वाले एक आरोपित को गोली मारकर लंगड़ा कर दिया है। उसके कब्जे से दरोगा की लूटी गई रिवाल्वर, मैंगजीन बरामद की है। घायल आरोपित को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। सीओ सदर राजेश कमल ने गुरुवार को बताया कि दो दिसम्बर को देर शाम हरौलीपुर पुलिस चौकी का सिपाही आशीष कुमार मौर्या दो पक्षों के विवाद की शिकायत पर जांच करने गए थे जहां उसे भीड़ ने बंधक बनाकर अधमंरा कर दिया था। सिपाही को बचाने गए चौकी प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद के साथ हमला कर उनकी रिवाल्वर व मैंगजीन भीड़ ने लूट लिया था। घटना में उन्नीस लोगों को नामजद करते हुए अज्ञात लोगों पर संगीन धाराओं में मुकदमा लिखा गया था। बताया कि बीती रात कुरारा क्षेत्र के अकौना गांव के जंगल में पुलिस टीम ने आरोपितों की घेराबंदी की तो पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दुर्गा निषाद नाम का आरोपित गोली लगने से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया कि इसके कब्जे से दरोगा की लूटी गई नौ एमएम की रिवाल्वर, नौ कारतूस व एक खोखा बरामद किया गया है। इससे पहले दो आरोपितों को पुलिस ने गोली मारकर लंगड़ा किया था। अब तक घटना में शामिल सत्रह लोग जेल जा चुके है।

शोपियां के तुलरान में आग लगने से सेब के करीब 400 से 500 क्रेट हुए खराब

श्रीनगर : दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के तुलरान में बुधवार देर रात आग लगने से बशीर अहमद पैरी के सेब के करीब 400 से 500 क्रेट खराब हो गए। जानकारी के अनुसार आग एक स्टोरेज शेड के अंदर लगी। इससे पहले कि स्थानीय लोग आग पर काबू पाते काफी नुकसान हो चुका था। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग तेजी से फैली जिससे स्टोर किए गए फल–सब्जियों को बचाने के लिए बहुत कम समय मिला। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्नि शामक दल मौके पर पहुंच गए और आग लगने के कारण पता लगाने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी । हालांकि इस दौरान किसी के घायल होने की खबर नहीं है जबकि सेब के स्टॉक को काफी नुकसान हुआ है।

बिहार के पटना में पुलिस ने मुठभेड़ में अपराधी राकेश कुमार के पैर में मारी गोली

पटना : राजधानी पटना में गुरुवार सुबह जानीपुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर में अपराधियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ में पुलिस ने रंगदारी मांगने के आरोपित अपराधी राकेश कुमार को पैर में गोली मारकर घायल कर दिया। घायल राकेश को तुरंत पुलिस की निगरानी में पटना एम्स में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस का दावा है कि राकेश एक बैंककर्मी से रंगदारी मांगने के गंभीर मामले में वांछित था और लंबे समय से उसकी गतिविधियों पर पुलिस की नजर थी। जानीपुर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि रंगदारी मांगने वाला आरोपी राकेश कुमार मुरादपुर इलाके में देखा गया है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही राकेश घबरा गया और मौके से भागने लगा। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन राकेश ने भागते–भागते पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से पुलिस सतर्क हो गई और पलटकर जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की ओर से की गई जवाबी फायरिंग में राकेश के पैर में गोली लगी और वह मौके पर ही गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे तुरंत अपने कब्जे में ले लिया और एंबुलेंस की मदद से एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, उसकी स्थिति फिलहाल स्थिर है और इलाज जारी है। पुलिस का कहना है कि घायल अपराधी राकेश कुमार दीघा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उस पर एक बैंककर्मी से रंगदारी की मांग करने का गंभीर आरोप है। बताया जा रहा है कि राकेश लंबे समय से पटना के कई इलाकों में सक्रिय था और स्थानीय लोगों में उसकी दहशत थी। पुलिस को आशंका है कि रंगदारी के अलावा वह अन्य आपराधिक गतिविधियों में भी शामिल रहा हो सकता है।
जांच में यह भी सामने आया है कि राकेश अक्सर ठिकाने बदलता था, जिससे उसे पकड़ने में पुलिस को काफी समय लगा। पुलिस कई दिनों से उसकी लोकेशन ट्रैक कर रही थी और आज सुबह उसे पकड़ने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई थी। मुठभेड़ के बाद पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि राकेश कुमार अकेले इस अपराध में शामिल नहीं था। पुलिस को शक है कि उसके साथ कई अन्य अपराधी जुड़े हुए हैं, जो रंगदारी के इस नेटवर्क का हिस्सा हो सकते हैं। इन्हें पकड़ने के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस ने इलाके के आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगालना शुरू कर दिया है। हालांकि अभी तक अन्य अपराधियों के बारे में कोई बड़ी जानकारी हासिल नहीं हो पाई है, लेकिन पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे गिरोह का पदार्फाश किया जाएगा।

नेशनल हाइवे पर तेज रफ्तार ने ली युवक की जान

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सदर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर अमरदीप ढाबे के पास बुधवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। अज्ञात वाहन की तेज रफ्तार टक्कर से युवक दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे जिला अस्पताल लाई, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 23 वर्षीय विकास, पुत्र रामबाबू, निवासी हरिहरपुर, सिकंदरा (कानपुर देहात) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि विकास अपने मामा के घर शिकोहाबाद गया था और रात में बाइक से वापस लौट रहा था। इसी दौरान हाईवे पर अमरदीप ढाबे के पास तेज रफ्तार में आए अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विकास मौके पर ही सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल लेकर गई, लेकिन उपचार से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि युवक की बाइक पर ह्यपुलिसॠ लिखा हुआ था और उसने पुलिस जैकेट भी पहन रखी थी, जिसके चलते शुरूआत में पहचान को लेकर भ्रम की स्थिति बनी। जांच में स्पष्ट हुआ कि युवक स्वयं पुलिसकर्मी नहीं था, बल्कि उसके रिश्तेदार पुलिस विभाग में कार्यरत हैं। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के घर कोहराम मच गया। परिजन बदहवास हालत में रोते–बिलखते अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश के लिए छानबीन तेज कर दी गई है।

न्यूज IN ब्रीफ

एसकेएमयू में मनाया गया विश्व मानवाधिकार दिवस

दुमका : बुधवार को सिदो कान्हु मुर्मू विवि के स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग में विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर छात्रों के बीच निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसका विषय ह्लमानवाधिकार : हमारे रोजमर्रा की आवश्यकताएंह्व था। यह विषय इस वर्ष के मानवाधिकार दिवस की थीम भी है।

निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान भूगोल विभाग के सूरज कुमार रक्षित, द्वितीय स्थान अंग्रेजी विभाग की अंजलि, तथा तृतीय स्थान अंग्रेजी विभाग के मु. रेहान रजा को प्राप्त हुआ। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंग्रेजी विभाग की सोफिया फि रदौस, द्वितीय स्थान इतिहास विभाग के राहुल नंदी, तथा तृतीय स्थान भूगोल विभाग के सूरज कुमार रक्षित ने हासिल किया। निर्णायक मंडली में डॉ. गणेश, डॉ. हिमाद्रि शेखर, तथा अभिनव कुमार शामिल थे। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार सिन्हा, डॉ. विजय कुमार, और डॉ. अजय सिन्हा ने उपस्थित होकर छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

बालूमाथ में केंद्रीय विद्यालय व अस्पताल स्थापना के लिए अनीता देवी ने की पहल

सीसीएल है तैयार, जिला प्रशासन से भूमि आवंटन की मांग

लातेहार : जिला परिषद की उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता देवी ने बालूमाथ प्रखंड के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय विद्यालय एवं अस्पताल की स्थापना को लेकर सीसीएल (उउछ) अधिकारियों से निरंतर संवाद किया है। नके अनुसार, सीसीएल प्रबंधन बालूमाथ में केंद्रीय विद्यालय और अस्पताल खोलने के लिए पूरी तरह इच्छुक और तैयार है, बशर्ते कि जिला प्रशासन द्वारा उपयुक्त भूमि उपलब्ध करा दी जाए।

बालूमाथ क्षेत्र में कई कोलियरी परियोजनाएं संचालित हैं, जिनमें कार्यरत कर्मचारियों के परिवारों सहित स्थानीय ग्रामीण और विस्थापित आबादी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की अत्यधिक आवश्यकता है।

उपाध्यक्ष अनीता देवी ने इस मांग को लेकर उपायुक्त, लातेहार को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए शीघ्र भूमि चिन्हांकन एवं हस्तांतरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए, ताकि सीसीएल द्वारा निर्माण कार्य को अमलीजामा पहनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि यह पहल बालूमाथ के विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी, जिससे हजारों बच्चों को बेहतर शिक्षा और आम जनता को सुलभ चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

यूजी सेमेस्टर-3 की परीक्षा 20 दिसम्बर से, विवि ने जारी किया परीक्षा कार्यक्रम

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने यूजी सेमेस्टर-3, सत्र 2023-27 का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। उक्त परीक्षा 20 दिसंबर 2025 से 20 जनवरी 2026 तक पूरे एक माह चलेगी। परीक्षा के सफल संचालन के लिए परीक्षा विभाग द्वारा सभी विषयों को तीन ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-ए में बॉटनी, रसायन शास्त्र, भू-विज्ञान, भौतिकी, जूलॉजी, भूगोल, समाजशास्त्र, गणित, गृह विज्ञान, संगीत, सांख्यिकी और कंप्यूटर अनुप्रयोग शामिल है। वहीं ग्रुप-बी में हिन्दी, संताली, बंगाली, उर्दू, अंग्रेजी, संस्कृत, फारसी, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, ए.आई.एच एवं सी तथा गांधी विचारधारा, ग्रामीण अर्थशास्त्र, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा, लेखा एवं वित्तीय सेवा, प्रबंधन व व्यवसाय व प्रबंधन को शामिल किया गया है। जबकि ग्रुप-सी में इतिहास, श्रम एवं सामाजिक कल्याण, दर्शनशास्त्र, राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान और मानव-विज्ञान (एंथ्रोपोलॉजी) विषय शामिल हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. रीना नीलिमा लकड़ा द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुनुल कंडिर के निर्देश पर यह परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया है, जिसे विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। बता दें कि इसी परीक्षा में स्किल एन्हांसमेंट और एबिलिटी एन्हांसमेंट विषयों की परीक्षा ऑब्जेक्टिव मोड में ली जाएगी। स्किल एन्हांसमेंट विषयों में डिजिटल मार्केटिंग, स्पोकन इंग्लिश, स्पोकन संस्कृत, कम्युनिकेशन इन प्रोफेशनल लाइफ, आधार संस्कृति, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट शामिल है। वहीं एबिलिटी एन्हांसमेंट में हिन्दी, इंग्लिश, पर्शियन, उर्दू, संथाली, संस्कृत और बंगाली विषय शामिल हैं।

लैंगिक समानता विषय पर आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

दुमका : एस. पी. कॉलेज, दुमका में बुधवार को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में लैंगिक समानता एवं लैंगिक जागरूकता विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में लैंगिक भेदभाव के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना, समान अधिकारों की समझ को बढ़ाना तथा एक सुरक्षित, समावेशी और सम्मानजनक वातावरण का निर्माण करना था। इस कार्यक्रम में कॉलेज के विभिन्न संकायों एवं विभागों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और लैंगिक समानता के प्रति अपनी सकारात्मक सोच को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत भाषण से हुई, जिसमें आईक्यूएसी के समन्वयक डॉ पूनम बिंझा ने लैंगिक समानता की वर्तमान सामाजिक आवश्यकता, शिक्षा संस्थानों की भूमिका एवं युवाओं की जिम्मेदारी को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि ह्लआज के समय में लैंगिक विषमता केवल एक सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि विकास, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा से गहराई से जुड़ा हुआ विषय है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने और सकारात्मक व्यवहारिक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इसके बाद मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ सुमित्रा हेम्ब्रम ने लैंगिक समानता के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। अन्य वक्ताओं ने लिंग आधारित भेदभाव, महिलाओं एवं पुरुषों के अधिकार, ट्रांसजेंडर समुदाय की चुनौतियाँ, सुरक्षित परिसर का महत्व, यौन उत्पीड़न से संबंधित कानून, तथा जेंडर सेंसिटाइजेशन के व्यावहारिक उपाय जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला।

दस साल बाद लौट आया दुर्लभ पक्षी 2015 के बाद पहली बार दिखी पलास गल

संवाददाता

साहिबगंज : उधवा पक्षी आश्रयणी से पक्षी-प्रेमियों के लिए उत्साहजनक खबर आई है। यहां दुर्लभ प्रवासी पक्षी - पलास गल को देखा गया है। उल्लेखनीय है कि इस प्रजाति की पिछली उपस्थिति साल 2015 में दर्ज की गई थी। लगभग एक दशक बाद इसकी वापसी उधवा झील की जैव-विविधता के लिए अत्यंत सकारात्मक संकेत है।यह प्रजाति दक्षिणी रूस से मंगोलिया तक दलदलों और द्वीपों में कॉलोनियों में प्रजनन करती है । यह प्रवासी पक्षी है। जो सर्दियों में पूर्वी भूमध्य सागर अरब और भारत में निवास करता है। यह गल जमीन पर घोंसला बनाता है और दो से चार अंडे देता है।गौरतलब है की सभी प्रवासी पक्षी वन्यजीव अधिनियम के तहत संरक्षित है एवं इन्हें या इनके आवास क्षेत्र को किसी भी प्रकार की क्षति, अधिनियम के तहत संज्ञेय गैर जमानतीय अपराध है, जिसमे सात वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।पक्षी विशेषज्ञों के अनुसार पलास गल का दिखना बताता है कि झील का पयार्वास प्रवासी पक्षियों के लिए सुरक्षित, अनुकूल और आकर्षक है। हर साल हजारों की तादाद में विदेशी पक्षी यहां शीतकालीन प्रवास पर आते हैं, जिससे यह क्षेत्र पूर्वी भारत के महत्वपूर्ण बर्ड हॉटस्पॉट्स में भी शामिल है।वन विभाग द्वारा की जा रही निरंतर मॉनिटरिंग और संरक्षण प्रयासों से इस उपलब्धि को जोड़कर देखा जा रहा है।

दोदराजका कई सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए हैं

ज्योति पाठक

कोल्हान प्रमंडल मुख्यालय चाईबासा के विकास दोदराजका उन व्यक्तियों में शामिल हैं जिनके जीवन का मूलमंत्र परोपकारिता है। श्री दोदराजका कई सामाजिक संगठनों से जुड़े रहने के साथ साथ बाल संरक्षण के सदस्य भी हैं।यह दायित्व और पद उन्हें उनके बेहतर कार्य और समर्पण को देखते हुए दिया गया है।बाल कल्याण कार्य के साथ साथ उनकी समुचित देखभाल और उनकी दिनचर्या और कार्य में शामिल है। श्री दोदराजका रक्तदान शिविर मोतियाबिंद के ऑपरेशन, वृद्धाश्रम में वृद्धों की सुधि लेने के साथ साथ उनकी सुरक्षा के लिए भी कटिबद्ध रहते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ साथ जागरूकता अभियान उनकी सशक्त पहचान है ऐसे व्यक्ति निश्चित तौर पर जिला के साथ साथ राज्य के लिए भी गौरव हैं। हमें ऐसे व्यक्ति पर हमेशा नाज है।

अधिवेशन की सफलता के लिए कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर तैयारी कर रहे हैं : राजकुमार

संवाददाता

साहिबगंज : छाता डंगाल रतनपु,बरहरवा में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक के जिला महामंत्री सह कार्यक्रम प्रभारी मोहम्मद इमाम विश्वास की अध्यक्षता में प्रस्तावित 21 दिसंबर 2025 को होने वाली अधिवेशन की सफलता की समीक्षा बैठक की गई।इस बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव एवं केन्द्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमार देवी उपस्थित हुए।बैठक मे केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने सभी प्रखंड अध्यक्ष से समीक्षा करते हुए कहा हुआ कि अधिवेशन की सफलता के लिए कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर तैयारी कर रहे हैं सभी को निर्देश दिए की सभी प्रखंड अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रचार प्रसार हो। कहा कि यह अधिवेशन ऐतिहासिक होगी। बैठक में जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष,मोहम्मद सद्दाम अंसारी, मोनिका देवी,अंसार खान,सौभिनाथ महतो,सोनिया देवी ,शेख इकरामुल अली,हफीजुल विश्वास,जुली कुमारी, रवीना देवी,फूलकुमारी देवी,वासिम अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मनरेगा लोकपाल पुष्पा कुमारी ने पंचायतों का किया निरीक्षण, कहा

पौधों को समय पर करें पटवन व कीटनाशक का करें छिड़काव

संवाददाता

सिमडेगा : जिला के मनरेगा लोकपाल पुष्पा कुमारी ने मंगलवार को कोलेबिरा प्रखंड के शाहपुर और बुधवार को करसई प्रखंड के किनकेल पंचायत का निरीक्षण किया। शाहपुर में निरीक्षण के दौरान बागवानी में लगे कई पौधे मृत पाए गये। लाभुक से पूछे जाने पर बताया गया की पौधे सही समय पर उपलब्ध नहीं कराये गये। पावधों की क़्वालिटी पर भी लाभुकों ने आशंका जताया। लाभुकों का कहना था की पौधा अच्छी क़्वालिटी की नहीं है। लोकपाल पुष्पा कुमारी ने सही समय पर पानी पटवन और कीटनाशक दवाई का छिड़काव के साथ साथ अच्छी तरह से देख रेख करने का निर्देश दिया। लोकपाल ने सेवन रजिस्टर को प्रति तीन माह में आधातन करने का भी निर्देश दिया। वहीं किनकेल पंचायत में लोकपाल ने ग्राम सभा पंजी नहीं पाए जाने पर ग्राम पंचायत सचिव को फटकार लगाया।

डीसी ने किया रिमांड होम, वृद्धाश्रम, मूकबधिर एवं नेत्रहीन विद्यालय व बाल गृह का निरीक्षण

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बुधवार को रिमांड होम, वृद्धाश्रम, मूकबधिर विद्यालय, नेत्रहीन विद्यालय एवं बाल गृह बालक का विस्तृत निरीक्षण किया । निरीक्षण के क्रम में उन्होंने इन सभी संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं, बच्चों एवं वृद्धजनों की स्थिति तथा व्यवस्थाओं की बारीकी से जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निदेश दिए।

वृद्धाश्रम के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वहाँ रह रहे वृद्धजनों से मुलाकात की। उन्हें बताया गया कि कुल 20 वृद्धजन यहाँ रह रहे हैं और समुचित सुविधाएँ उपलब्ध हैं। उन्होंने वृद्धाश्रम परिसर में लगे हेल्थ कैंप का भी निरीक्षण किया, जहाँ सभी निवासियों की स्वास्थ्य जांच कर दवाइयाँ उपलब्ध करायी गयी थीं। उपायुक्त ने वृद्धजनों के बीच कंबल एवं शॉल वितरण करने का निर्देश देते हुए स्वयं भी शॉल वितरित किए। वृद्धजनों द्वारा पानी की समस्या से अवगत कराने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अविलंब समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मूकबधिर विद्यालय में उपायुक्त ने स्कूल परिसर, कक्षाओं तथा शिक्षण पद्धति का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में साइन लैंग्वेज से संबंधित पेंटिंग, पोस्टर तथा शिक्षण सामग्री लगायी जाए जिससे बच्चों को सीखने में आसानी हो। निरीक्षण के दौरान बच्चे प्रोजेक्टर के माध्यम से पढ़ाई करते मिले, जिसे बच्चों ने अत्यंत उपयोगी बताया। उपायुक्त ने भोजन, स्वच्छता और अन्य सुविधाओं की भी समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि निर्धारित मीनू के अनुसार उच्च गुणवत्ता का भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखा जाए। रिमांड होम के निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने सुरक्षा व्यवस्था पर बल देते हुए प्रतिनियुक्त सुरक्षा बलों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि बच्चों के व्यवहार, स्वास्थ्य जांच, दवा व अन्य आवश्यकताओं का नियमित ध्यान रखा जाए।

मानवाधिकार मानवीय गरिमा, समानता स्वतंत्रता और न्याय की आधारशिला है : प्राचार्य

संवाददाता

दुमका : राजनीति विज्ञान विभाग एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में एस पी कॉलेज, दुमका में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. के. पी. यादव ने की। कॉलेज परिसर में आयोजित इस सारगर्भित एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. यादव ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में मानवाधिकारों की महत्ता पर विस्तृत प्रकाश डाल कर किया। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार केवल कानूनी अधिकार नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा, समानता, स्वतंत्रता और न्याय की आधारशिला हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को इस दिशा में संवेदनशील बनने तथा जागरूक समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ के बी टोप्पो द्वारा मानवाधिकारों के इतिहास, महत्व, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संधियों एवं भारतीय संविधान के प्रावधानों पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अंगीकृत किया गया, जिसके बाद से यह दिवस विश्वभर में मानवाधिकारों की सुरक्षा, संवर्धन एवं संरक्षण के संकल्प को दोहराने के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के कई विद्यार्थियों ने मानवाधिकार से जुड़े विविध विषयों पर अपने विचार रखे। विद्यार्थियों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शिक्षा का अधिकार, महिला अधिकार, बाल अधिकार, साइबर सुरक्षा, लैंगिक समानता, वंचित वर्गों के अधिकार तथा सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर प्रभावशाली भाषण दिए। विशेषकर छात्र-छात्राओं ने आधुनिक समय में मानवाधिकार उल्लंघन के नए रूप–जैसे साइबर बुलिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न, सोशल मीडिया शोषण, मानव तस्करी एवं डिजिटल प्राइवेसी के खतरे–पर गंभीर चिंतन प्रस्तुत किया। क्द्मअउ के समन्वयक डॉ पूनम बिंझा ने अपने वक्तव्य में कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिकता, संवेदनशीलता और सामाजिक जागरूकता का विकास करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने मानवाधिकार शिक्षा को पाठ्यक्रम का आवश्यक हिस्सा बनाने पर जोर दिया। राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित प्रस्तुति में भारतीय परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकारों की स्थिति, न्यायपालिका की भूमिका, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (ठलफ्ळ) के कार्यों तथा मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के महत्वपूर्ण बिंदुओं को विस्तार से समझाया गया। वक्ताओं ने बताया कि मानवाधिकार केवल समाज की संरचना को मजबूत नहीं करते बल्कि एक स्वस्थ, सुरक्षित, न्यायपूर्ण एवं विकसित राष्ट्र की नींव भी तैयार करते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रश्न उत्तर सत्र आयोजित किया गया।

कोलाज : कागज के कतरनों की सार्थक अभिव्यक्ति

बाल कला, बाल विज्ञान,बाल रचना संसार में कोलाज एक समर्थ मूर्त-अमूर्त अभिव्यक्ति है। स्कूली शिक्षा में बाल गतिविधि का सटीक मूल्यांकन किया जाए तो कागज के कतरनों का प्रयोग कोलाज के लिए सार्थक माध्यम है। रंगीन कागजों के तरह-तरह का प्रयोग बाल मन- मिजाज को भीतर तक उद्वेलित कर सृजन के लिए प्रेरित कर क्रियाशील बना देता है। तब है कि छात्र-छात्राओं में उस वक्त यह समझ नहीं होती कि उनके हाथों सृजित (प्रोजेक्ट) कलाकृति किस प्रकार उन्हें नया गढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है। कोलाज एक ऐसा माध्यम है, जिसे सीख-समझकर छात्र-छात्रा स्वयं को कला से जोड़कर समकालीन कला संदर्भों से जोड़ सकते हैं। कोलाज कला को बाल स्कूली प्रोजेक्ट कला का उत्कृष्तम नमूना है जिसे प्रायोगिक शिक्षा में बेहद सम्मान से देखा-समझा गया है। बाल कला में कोलाज एक ससक्त जीवन माध्यम के रूप-स्वरूप में देखा समझा गया है। सभी विद्यालयों में प्रदर्शित बोर्ड होता है, जिसे छात्र-छात्राओं को विषय संगत कोलाज संयोजित करना होता है। इस माध्यम पर ढेरों ऐसे सक्षम कला साधक, कला मर्मज्ञ, कलाकार,कला शिक्षक है जिन्होंने अपने कला यात्रा में खासा प्रभावी काम किया है।

आज विद्यालयों में कोलाज के प्रसांगिकता पर गहराई से चर्चा होती है। अभिव्यक्ति का बड़ा सहज व सारगर्भित माध्यम कोलाज है। छात्र-छात्राओं में रंगीन कागजों के प्रति बड़ा संप्रेषित आकर्षण है, जो उन्हें भीतर से उद्वेलित कर सृजन के तरफ मोड़ देता है। तब है कि बाल मन में उस वक्त विषय को लेकर बड़ा असमंजस की स्थिति बनी रहती है। हमें पता है कि कच्ची उम्र की समझ खुद को विषय या संदर्भ में बांध लेने में असहज महसूस करती है। उन्हें तो बस माध्यम के रूप में रंगीन कागज व कला का धरातल चाहिए,विषय तो बस कागज के कतरनों को चिपका-चिपका कर मौलिक रहस्य व प्रभाव खुद ब खुद दिख ही जाता है। बचपन व कोलाज बस अनायास प्रभाव का ऐसा सौंदर्य है जो ,तैयार होने के बाद ही अपनी खुबसूरती बयाँ कर पाता है। रंगीन कागज के भिन्न-भिन्न छाया-प्रकाश रंग-रोगन में अनायास प्रभाव तब काफी गतिशील बन पड़ता है, जब तैयार कोलाज एक प्रवाह में हो। यह लेख विद्यालय में प्रदर्शित बोर्ड पर हर मंथ समकालीन संदर्भ व विषय पर बनाए जाने वाले कोलाज के सौंदर्य दर्शन पर आधारित है। हर विद्यालय में 15 से 20 छात्र-छात्रा ऐसे होते हैं,जिनकी सोंच समझ काफी कलात्मक व प्रोजेक्ट संगत होती है। कला शिक्षक व विद्यालय संगठन मिलकर छात्र-छात्राओं को प्रेरित कर एक सृजनात्मक माहौल सृजित करते हैं। जब भी हम कोलाज को अपने मन -मिजाज से सोचते हैं,तो एक ऐसा सौंदर्य दर्शन होता है, जिस एहसास को शब्दों में ढूँढना मुश्किल हो जाता है।

कोलाज सिर्फ कागज का कतरन नहीं बल्कि अभिव्यक्ति का खाका गत ससक्त माध्यम है। जिसे रचना संसार में मौलिक स्थान के साथ -साथ विषय व समकालीनता की गहराई हासिल हो। हम बात करना चाह रहे हैं बचपन और कोलाज की,जो छात्र-छात्रा के सहज जीवन का हिस्सा हो। उन बच्चों अबोधों की संख्या बहुत कम होती है, जिनकी रचनात्मकता विद्यालयों में वर्षों तक याद रखी जाती है। खैर हम कोलाज की बतकही के तरफ लौटते हैं। कोलाज प्रदर्शित बोर्ड में विषय के संगति को समेटे विचारों का सौंदर्यबोध तब कराता है, जब विद्यार्थी विद्यालय की समझ में एकरूपता हो। कोलाज रंगीन कागजों का ऐसा रंग-बिरंगा खेल है, जो तैयार होने के बाद हर दिन बोर्ड पर नए रूप स्वरूप में सौंदर्य दर्शन कराता है।बात शिक्षा में प्रभावी नवाचार,विचारों की भी सार्थकता व परिवर्तित शिक्षा पद्धति पर है। जहाँ नवाचार संदर्भ में लोक शिक्षा, लोक भाषा के साथ-साथ कला के विचार को प्रमुखता से स्थान दिया गया है। कोलाज में पूरी तरह से अनायास छाया-प्रकाश की सार्थकता को अगर बेहद बारीकी से सटीक जगह का प्रयोग किया गया है, तब आप मन की गहरी कलागत समग्रता को आसानी से महसूस कर सकते हैं। अमूमन कला पारखी,कला शिक्षक,कला समीक्षक मन मस्तिष्क में उद्वेलित वेदना का सौंदर्य दर्शन अपने समझ के अनुसार ही करते हैं। यहाँ सवाल आ रहा है कि,हम बालकपन के द्वारा रचित कला दीर्घा, कलाकृति को अपनी समझ व दृष्टि से कैसे सामंजस्य स्थापित करें, जबकि ज्यादातर कलाकृतियाँ सपाट प्रभाव में होती हैं। लेकिन ऐसा नहीं है,बाल कला, बाल कोलाज में सपाट प्रभाव है, लेकिन संप्रेषित कंपन चेतन मन की गहरी सौंदर्य दृष्टि को रंगीन कतरनों से जोड़ हीं लेता है। भारतीय राष्ट्रीय पर्व त्यौहार, समकालीन संदेश, समकालीन घटनाक्रम, प्रकृति, सभ्यता, संस्कृति, आपसी सौहार्द, विविधता में एकता जैसे विषय कोलाज का हिस्सा हो सकते हैं। कुल मिलाकर कोलाज बाल मन-मस्तिष्क को हमेशा क्रियाशील रख बेहतरी के लिए प्रेरित करता है।हम इस प्रक्रिया को विद्यालय शिक्षा का मजबूत अंग मान सीधा नवाचार शिक्षा का हिस्सा मान सकते हैं।

रौशन राय
कला शिक्षक/ कला लेखक